हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

तापमान
अधिकतम 23 .6 डिग्री
न्यूनतम 5 .8 डिग्री

12 नशा, समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक : सीजेएम

12 भाड़वास रेलवे फाटक पर आरओबी से सुगम हुआ सफर, लेकिन रात के समय अंधेरा, लोगों को हादसा होने का डर

खबर संक्षेप

कोर्ट से घोषित किए दो पीओ गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने कोर्ट से घोषित दो पीओ को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। थाना खोल पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर 19 दिसंबर को नांगल जमालपुर निवासी अजीत सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी अजीत सिंह को गिरफ्तार करते हुए कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना माडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए आदर्श नगर निवासी ललित के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी ललित को भी गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी कोजमानत पर छोड़ दिया गया, जबकि दूसरे को जेल भेजने के आदेश दिए गए।

मारपीट मामलों में दो आरोपी किए काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिटी पुलिस ने पीड़ति के बयान पर गज 24 नवंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने गुरुग्राम के नानू खुर्द निवासी धर्म कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने 17 नवंबर को दर्ज किए गए एक अन्य मामले में अजय नगर निवासी अर्जुन सिंह को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

साइबर ठगी के दोनों आरोपी भेजे जेल

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने एक यूपी के साथ साइबर ठगी करने के मामले में गिरफ्तार किया दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया। पुलिस ने लगभग 1.20 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में पंजाब के मल्लनवाला निवासी दिलजीत व गुरप्रीत को गिरफ्तार किया था। गुरप्रीत के खाते में ठगी की रकम का एक हिस्सा ट्रांसफर हुआ था, जबकि दलजीत ने खाता मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। साइबर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज के लिए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। जब उनके बीच बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 3 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के पाली निवासी दिनेश को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

महिला पीओ को जमानत पर छोड़ा

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने लगभग 5 साल पहले कोर्ट से घोषित एक महिला पोओ को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान रामपुरा निवासी किरण देवी को अदालत में पेश नहीं होने के कारण घोषित किया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उसके खिलाफ 27 दिसंबर 2018 को केस दर्ज किया था। तभी से महिला पुलिस गिरफ्त से बाहर चल रही थी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद महिला को जमानत पर छोड़ दिया गया।

तोड़े गए रैंप का जल्द पुनर्निर्माण कराने के दावे, मौके पर देखने तक नहीं पहुंचे अधिकारी

अफसर करते रहे रैंप बनवाने का दावा, रात को पूरी तरह साफ कर दिया रोड, रामभरोसे धारूहेड़ा के निवासी

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान की ओर से आने वाले केमिकल युक्त पानी को रोकने के लिए बनाया गया रैंप टूटने के बाद उसे जल्द रिपेयर कराने के दावे करते रहे। इसके विपरीत शुक्रवार की रात रैंप को पूरी तरह साफ करते हुए उसका मलबा भी वहां से उठा दिया गया। रैंप की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए, तो दूसरी ओर प्रशासन पर भी राजनीतिक दबाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। तीन दिन बाद भी रैंप की सुध नहीं लेकर प्रशासन ने धारूहेड़ा के लोगों को भाग्य भरोसे छोड़ दिया है। कस्बे में राजस्थान का पानी निरंतर आ रहा है, जो जल्द लोगों के लिए भारी मुसीबत खड़ी कर सकता है। भिवाड़ी औद्योगिक एरिया के केमिकल युक्त पानी को रोकने के लिए दो साल पहले बनाए गए इस रैंप के एक हिस्से को बीते वीरवार को तड़के तोड़ दिया गया था। रैंप टूटने के बाद राजस्थान की सीमा में एकत्रित पानी का बहाव धारूहेड़ा की ओर हो गया। नगर पालिका चेयरमैन कंवर सिंह ने पता चलते ही डीएमसी ब्रह्मप्रकाश और एसडीएम सुरेश कुमार को रैंप टूटने से अवगत करा दिया था। दोनों अधिकारियों ने रैंप को दोबारा रिपेयर कराने की बात कही थी। दो दिन बीतने के बाद गत शुक्रवार को किसी भी अधिकारी ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा तक नहीं लिया। शुरूआत में रैंप के एक हिस्से को ही तोड़ा गया था, परंतु शुक्रवार की रात रैंप को पूरी तरह साफ कर दिया गया। रैंप तोड़ने के बाद वहां एकत्रित हुए मलबे को भी उठा लिया गया, ताकि मलबा फिर से डालकर पानी का रास्ता बंद नहीं किया जा सके। अब भिवाड़ी की ओर से आने वाला पानी सीधे धारूहेड़ा में प्रवेश कर रहा है। पानी की गति तेज नहीं है, लेकिन पीछे से पानी की मात्रा बढ़ने की सूरत में कस्बे के लोगों की आफत बढ़ जाएगी।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में रैप हटाने के बाद सड़क पर आया दूषित पानी। फोटो : हरिभूमि

राजनीतिक दबाव की भी पूरी संभावना

रैंप को पूरी तरह साफ करने के बाद चेयरमैन कंवर सिंह यादव ने शनिवार को डीसी अभिषेक मीणा से लेकर अन्य अधिकारियों से संपर्क किया। सभी ने जल्द रैंप बनवाने का आश्वासन तो दिया, परंतु शनिवार शाम तक कोई भी रैंप निर्माण कराने के लिए नहीं पहुंचा। केमिकल युक्त पानी अब दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे तक पहुंचकर वहां एकत्रित होने लगा है। अधिकारियों की इस मामले में लगभग चुप्पी बनी हुई है, जो राजनीतिक दबाव के संकेत देने के लिए काफी है। इस रैंप का निर्माण होने के बाद राजस्थान के सीमावर्ती गांवों और कस्बे के लोगों के लिए पानी का भराव आफत बना हुआ था। इससे सोहना नेशनल नेशनल हाइवे भी बाधित हो रहा था। मामला हाई कोर्ट तक भी पहुंच गया। राजस्थान चुनावों के दौरान मुद्दा उठा तो तिजारा के प्रत्याशी महंत बालकनाथ खुद रैंप तुड़वाने के लिए पहुंच गए थे, लेकिन अधिकारियों के हस्तक्षेप के चलते रैंप को टूटने से बचा लिया गया था।

अधिकारियों से लेकर मंत्री के पीएम से अपील

रैंप को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है। इससे पुलिस की तैनाती भी औचित्यहीन साबित हो रही है। कस्बे के लोगों के लिए केमिकल युक्त पानी एक बार फिर आफत बन सकता है। डीसी और अन्य अधिकारियों से लेकर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के पीए तक को अवगत कराया जा चुका है, परंतु अभी तक रैंप बनवाने के कोई प्रयास नहीं हुए हैं। -कंवर सिंह यादव, चेयरमैन।

रैंप ठीक कराने के लिए दिए जा चुके निर्देश

रैंप को आंशिक रूप से तोड़ने की सूचना मिली थी। इसे पूरी तरह से साफ किए जाने की जानकारी नहीं है। फिर भी रैंप का निर्माण जल्द से जल्द कराया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं। -अभिषेक मीणा, डीसी।

पूर्व सीएम मनोहर लाल ने करवाया निर्माण

धारूहेड़ा में राजस्थान से आने वाले केमिकल युक्त पानी की तस्वीर खुद तत्कालीन सीएम मनोहरलाल ने मौके पर आकर देखी थी। जुलाई 2023 में धारूहेड़ा आगमन पर जलभराव देखते ही उन्होंने अधिकारियों को रैंप बनवाकर पानी रोकने के आदेश दिए थे। इसके बाद अधिकारियों ने इस रैंप का निर्माण कराया था। रैंप बनने के बाद धारूहेड़ा के लोगों को केमिकल युक्त पानी के भराव से काफी हद तक राहत मिल गई थी।

अमानत में खयानत का आरोपी चालक सवा साल बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

बीते वर्ष एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की गाड़ी को रास्ते में लावारिस छोड़कर हजारों रुपये का सामान लेकर गायब हुए चालक को बावल थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। ट्रांसपोर्ट कंपनी के प्रतिनिधि संजय सिंह ने गत वर्ष 17 सितंबर को पुलिस शिकायत में बताया था कि उसकी ट्रांसपोर्ट में चालक गुरूग्राम ऑफिस से भर्ती किए जाते हैं। एक चालक पुष्पेंद्र को ट्रांसपोर्ट कंपनी में चालक रखा गया था, जिसकी गारंटी अजय कुमार ने दी थी। पुष्पेंद्र कंपनी की गाड़ी में सामान लोड करने के बाद कानपुर से राजस्थान के नीमराना के लिए चला था। इसके बाद वह निर्धारित जगह पर नहीं पहुंचा। कंपनी के स्टाफ ने जीपीएस लोकेशन के आधार पर पता लगाया तो गाड़ी चांदुवास फ्लाईओवर के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली। गाड़ी से 100 लीटर डीजल, बैट्री, स्टपनी टायर और जैक गायब मिले, जिनकी कीमत हजारों रुपये हैं।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने यूपी के गसिमपुर निवासी पुष्पेंद्र को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

टैक्सी चालक को गोली मारकर गाड़ी व नकदी लूटने के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। सीआईए रेवाड़ी ने गत 15-16 की रात्रि को दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर बनीपुर चौक के पास एक टैक्सी चालक को गोली मारकर गाड़ी व नकदी लूटने के मामले में एक और आरोपी यूपी के जिला मेरठ के भगवतपुरा निवासी बंटी सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। यूपी के जिला अलीगढ़ के गांव मोहसनपुर निवासी संजय कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था की उसने ओला की फ्रेंचाइची ली हुई है। वह गुरूग्राम और दिल्ली में टैक्सी चलाता है। गत 15-16 की रात्रि को समय करीब 1 बजे उसकी कैब फोन से बुक की गई थी। वह दो युवकों को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से बैठाकर जयपुर के लिए चला था।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी बंटी सिंह।

पूछताछ के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया

जब टैक्सी बनीपुर चौक के पास पहुंची तो पीछे बैठे युवकों ने पेशाब करने के बहाने गाड़ी रुकवा ली। दोनों युवकों में से एक ने उसकी कनपटी पर पिस्तौल लगा दी। उसने विरोध किया तो उसके दाहिने पैर में गोली मार दी। उसे सीट से हटकार दूसरा युवक गाड़ी चलाने लगा। गोली उसकी जांघ में लगी, जिससे वह लहूलुहान हो गया। इसके बाद दोनों युवक काफी देर तक इधर-उधर घुमाते रहे। उससे 18 हजार रुपये और मोबाइल फोन छीन लिए। बाद में आरोपी उसे सरकुलर रोड पर एक अस्पताल के नजदीक गाड़ी से नीचे उतारकर उसके दोनों मोबाइल फोन फेंककर उसकी गाड़ी को लूट कर फरार हो गए। पुलिस ने लूट, हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओ के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपी राजस्थान के जिला अजमेर के गांव अखर घूघरा घाटी नजदीक भेरू मंदिर गली निवासी देवांशु व यूपी के जिला आजमगढ़ के गांव सुरजीपुर निवासी शुभम वर्मा को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी हुई गाड़ी, दो पिस्टल, 89 रौंद, 3 मैगजीन, 4 मोबाइल फोन, सिमकार्ड, 1 वेव ब्लॉकर व जीपीएस डिटेक्टर बरामद किए थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उपरोक्त पिस्टल, मैगजीन, 5 सिमकार्ड व 89 जिंदा रौंद यूपी के जिला मेरठ के भगवतपुरा निवासी बंटी से खरीद के लाए थे। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया है।

मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर रबी फसलों के पंजीकरण 31 तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर रबी फसलों का पंजीकरण किया जा रहा है। पोर्टल पर पंजीकृत किसान से ही केवल फसल खरीदी जाएगी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि किसानों की ओर से पोर्टल पर दर्शाई गई फसल का भौतिक सत्यापन भी कराया जाएगा। उन्होंने जिले के किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानि पीएमएफबीवाई का लाभ लेने के लिए रबी फसलों का बीमा कराने का आह्वान किया है। पीएमएफबीवाई के तहत 2025-26 के लिए रबी की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। डीसी ने जिला के किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि जो किसान अपने खेतों में रबी फसलों की बुवाई कर चुके हैं। वे उपरोक्त पोर्टल पर अपनी फसलों का पंजीकरण अवश्य कराएं फसलों का पंजीकरण कराने के लिए संबंधित किसान के पास परिवार पहचान पत्र का होना अनिवार्य है।

पुलिस कप्तान ने सुनीं पुलिसकर्मियों की समस्याए

- अधिकारियों को दिए समस्या के समाधान करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में पुलिस कर्मचारियों की सुविधाओं को लेकर जिला पुलिस लाइन में पुलिस रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह, डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण, डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार व हरियाणा पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर पुलिस लाइन परिसर में निवास कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों व उनके परिवारों की मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा और समग्र कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। एसपी मीणा ने स्वच्छ, सुरक्षित और अनुशासित आवासीय वातावरण बनाए रखने में आरडब्ल्यूए की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस लाइन केवल एक आवासीय परिसर नहीं, बल्कि पुलिस परिवार का साझा घर है।

रेवाड़ी। बैठक में समस्याएं सुनते हुए एसपी मीणा। फोटो : हरिभूमि

परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील

उन्होंने सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सीवरेज, पार्क तथा बच्चों के खेल क्षेत्रों जैसी सुविधाओं में और अधिक सुधार लाने के लिए चर्चा की। बैठक के दौरान पुलिस आवासीय कॉलोनी में रहने वाले परिवारों की समस्याएं भी सुनी गईं, जिनमें मुख्य रूप से पेयजल और सीवरेज से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का शीघ्र निपटान किया जाए और यदि आवश्यक हो तो समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से पत्र व्यवहार किया जाए। एसपी ने सभी निवासियों से अपील की कि वे आरडब्ल्यूए के माध्यम से अपनी समस्याएं व सुझाव समय-समय पर साझा करें, परिसर में स्वच्छता बनाए रखें और सामूहिक प्रयासों से पुलिस लाइन को एक आदर्श पुलिस आवासीय कॉलोनी बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

गणमान्यजन बोले, अपराधियों को किसी भी सूरत में सभ्य समाज में रहने का अधिकार नहीं

मासूम से हैवानियत ने आमजन को झकझोरा, सख्त सजा की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार को शहर में हुई मासूम दुधमुंही बच्ची से हैवानियत की घटना ने आमजन को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया है। प्रबुद्ध लोगों ने ऐसे दरिंदे को जल्द से जल्द और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। शहर के अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों व प्रबुद्धजनों ने कहा कि मासूमों के साथ दरिंदगी करने वाले ऐसे अपराधियों को किसी भी सूरत में सभ्य समाज में रहने का अधिकार नहीं है। बच्चों के साथ किया गया मानवीय कृत्य न केवल निंदनीय है, बल्कि ऐसी दरिंदगी करने वाले लोगों को सख्त से सख्त दंड दिया जाना चाहिए।

घटना से शर्मसार हुई इंसानियत

बलात्कारी व्यक्ति एक मानसिक विकार से पीड़ित व्यक्ति होता है। एक दस महीने की बच्ची के साथ हुई बलात्कार की घटना से पूरी इंसानियत ही शर्मसार हो गई है। ये घटनाएं बताती है कि आजकल के खानपान व दूषित विचारों ने इंसान को हैवान बना दिया है। मैं ऐसी घटना की घोर निंदा करते हुए ऐसे व्यक्ति को कठोर सजा देने की मांग करता हूं, क्योंकि ऐसे हैवान आज समाज के लिए एक खतरा बने चुके है। -डा. दुष्यन्त कुमार, प्राचार्य।

मासूम से दरिंदगी गैर जमानती अपराध

ऐसी जघन्य घटना में दोषी को कानून के दायरे में कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह गैर जमानती अपराध है, जिसके लिए बीएनएस और पोक्सो एक्ट के तहत पुलिस की ओर से फास्ट ट्रैक कोर्ट में जल्द चालान पेश होगा। साक्ष्यों के आधार पर दोष साबित होने पर आरोपी को लंबे कारावास की सजा और आर्थिक जुर्माना भी लगाया जाएगा। -सुधीर यादव, पूर्व बार प्रधान।

बच्चों के साथ किया गया मानवीय कृत्य निंदनीय

बच्चों के साथ किया गया मानवीय कृत्य न केवल निंदनीय है,बल्कि ऐसी दरिंदगी करने वाले लोगों को सख्त से सख्त दंड दिया जाना चाहिए। ऐसे लोगों की आत्मा मर चुकी है। इन्हें समाज से बहिष्कृत किया जाना अति आवश्यक है। -अश्वनी तिवारी, एडवोकेट।

लोगों को गंभीर संदेश देने वाली घटना

यह घटना समाज में लोगों को बेहद गंभीर संदेश देने वाली है। हरियाणा भाईचारे के लिए जाना जाता है, मगर इसमे बाहर से आए लोगों की गलत छवि बनाई है। ऐसे मामलों में दोषी को कानून के दायरे में सख्त से सख्त सजा जल्द मिलनी चाहिए। -सुमित्रा देवी

ऐसे अपराधियों को समाज में रहने का अधिकार नहीं

अबोध बच्ची के साथ की गई दरिंदगी ने समाज को झकझोर के रख दिया है और हम सब को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि समाज का चेहरा कितना वीभत्स हो चुका है। सभ्य समाज में व्यक्ति को एक दूसरे का सुरक्षा कवच होना चाहिए। आज हम सब का सिर शर्म से झुक गया है। इस तरह के अपराधियों को किसी भी सूरत में सभ्य समाज में रहने का अधिकार नहीं है। -अनिल यादव, शिक्षाविद व प्राचार्य।

ऐसे व्यक्तियों के लिए समाज में स्थान नहीं

ऐसे व्यक्ति मानसिक विकृति का शिकार है। समाज में उनके लिए कोई जगह नहीं है। ऐसे व्यक्तियों की हम भी वकालत करने से पूर्णतया परहेज करते हैं। ऐसे दरिंदों का स्थान केवल सलाखों के पीछे है।- विश्वामित्र यादव, प्रधान बार एसोसिएशन।

ऐसी घटना समाज के माथे पर बदनुमा दाग

हरियाणा और खास तौर पर रेवाड़ी शहर को शर्मसार करने वाली यह घटना समाज के माथे पर बदनुमा दाग है। ऐसा व्यक्ति समाज में रहने का नैतिक हक खो चुका है। -उदयराज नंबरदार।

निवेश लिए अगले साल लें स्मार्ट फैसला, तभी कर पाएंगे कमाई

मल्टी-एसेट में मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- इस साल 2025 में गोल्ड और सिल्वर में रही मजबूत रैली
- बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश न करें
- बेहतर है लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं
- जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सकेगा
- शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय अनुशासन व लंबी अवधि पर करें फोकस

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

साल 2025 वैश्विक और घरेलू स्तर पर निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टैरिफ, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जीएसटी सुधार और आईपीओ की बढ़ती गतिविधियों के बीच शेयर बाजार लंबे समय तक सीमित दायरे में घूमता रहा। हालांकि साल के दूसरे हिस्से में बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखने लगे। इसी दौरान 2 एसेट क्लास सोना और चांदी ने निवेशकों को सबसे ज्यादा अट्रैक्ट किया। जहां सोने ने इस कैलेंडर ईयर में अबतक 63% रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने 100% से ज्यादा की तेजी दिखाई, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी एक बार फिर वैकल्पिक एसेट्स की ओर बढ़ी। बीते रिटर्न को देखकर निवेश करना अक्सर गलत फैसलों की वजह बनता है। तेजी के बाद निवेश करने का ट्रेंड, जिसे रिटर्न के पीछे भागना" कहा जाता है, लंबे समय में नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने के बजाय निवेशकों को लंबी अवधि की सोच, अनुशासन और मल्टी-एसेट डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। अलग-अलग एसेट क्लास में संतुलित निवेश न सिर्फ रिस्क को कम करता है, बल्कि समय के साथ कंपाउंडिंग के जरिए बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

रिटर्न के पीछे भागना गलत स्ट्रैटेजी

लॉन्ग टर्म रिटर्न चार्ट देखें तो पता चलेगा कि सोने में निवेशकों का इंटरेस्ट तब तेजी से बढ़ता है, जब इसके रिटर्न तेजी से बढ़ने लगते हैं, लेकिन जैसे ही कीमतें गिरती हैं, यह इंटरेस्ट भी कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया पर आधारित तरीका साफ बताता है कि निवेश में अनुशासन और निरंतरता कितनी जरूरी है। बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने की बजाय, निवेशकों के लिए बेहतर है कि वे लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं, जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सके। इसे अपनाने का एक असरदार तरीका है आउटसोर्स्ड एसेट एलोकेशन, यानी ऐसे फंड्स में निवेश करना जो अलग-अलग एसेट क्लास में अपने आप निवेश को संतुलित करते हैं।

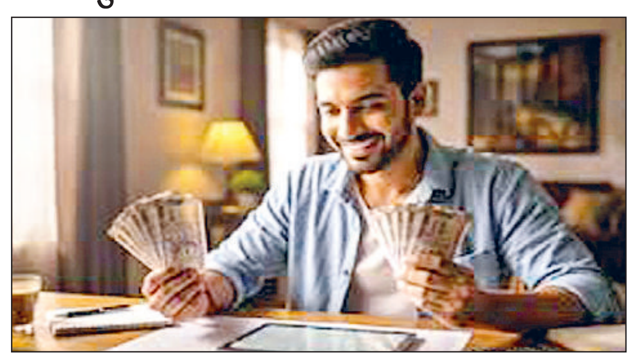

क्यों जरूरी है डायवर्सिफिकेशन

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के पीछे भागना, चाहे तेजी के समय शेयर हों या गिरावट के समय सोना, अक्सर गलत समय पर निवेश करने और बाजार के अधिक उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ा देता है। डायवर्सिफिकेशन इन जोखिम को कम करता है, क्योंकि इसमें पैसा अलग-अलग एसेट्स में लगाया जाता है जो अलग परिस्थितियों में अलग तरह से व्यवहार करते हैं। लेकिन अब यह ट्रेंड फिर से बदल रहा है। जून 2024 से, बाजार ने एक बार फिर तेज ग्रोथ और अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों को बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों ने अप्रैल 2023 से मई 2024 के दौरान हुए अपने खराब प्रदर्शन का एक-चौथाई से ज्यादा हिस्सा वापस हासिल कर लिया है। इसलिए निवेशकों को शेयरों में भी अलग-अलग स्टाइल में निवेश करके पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहिए।

समझदारी दिखाएं

आज की दुनिया में, जहां बदलाव लगातार हो रहा है, समझदारी से किया गया डायवर्सिफिकेशन एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए सिर्फ अच्छा नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। निवेशकों को शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय संतुलन, अनुशासन और लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए, अलग-अलग एसेट्स में डायवर्सिफाइड मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को जोखिम और रिटर्न के सही संतुलन में मदद करने दें, ताकि समय के साथ कंपाउंडिंग अपना कमाल दिखा सके।

प्रमुख एसेट क्लास और उनका व्यवहार

आज के आपस में जुड़े हुए और उतार-चढ़ाव भरे ग्लोबल वित्तीय माहौल में, सिर्फ एक ही एसेट क्लास पर भरोसा करना निवेशकों के लिए बेवजह का जोखिम पैदा कर सकता है, चाहे उसने हाल ही में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। इस समय मुख्य एसेट क्लास किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं।

सोना और चांदी

ये कीमती धातुएं पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश मानी जाती हैं। महंगाई के समय या जब सामान्य करेंसी (फिएट करेंसी) कमजार होती है, तब ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। चांदी का इस्तेमाल इंडस्ट्री में भी होता है, इसलिए यह इकोनॉमिक साइकिल से ज्यादा प्रभावित होती है। इससे इसमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है, लेकिन मौके भी मिलते हैं।

शेयर (इक्विटी)

शेयरों में बढ़त की अच्छी संभावना होती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नई तकनीक और इनोवेशन से जुड़े होते हैं, लेकिन ये ब्याज दरों, कंपनियों की कमाई के अनुमान और आर्थिक बदलावों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। अलग-अलग देशों और इंडस्ट्री में इनका प्रदर्शन काफी अलग हो सकता है।

फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड)

बॉन्ड अपेक्षाकृत स्थिरता और फिक्स्ड इनकम देते हैं। हालांकि ब्याज दरें बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है, फिर भी ये जोखिम कम करने और पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। खासकर सतर्क निवेशकों या

रिटायरमेंट के करीब लोगों के लिए ये काफी उपयोगी हैं।

रियल एसेट्स और वैकल्पिक निवेश

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटीज महंगाई से बचाव करने और निवेश में डाइवर्सिफिकेशन लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट इक्विटी और हेज फंड जैसे वैकल्पिक निवेश रिटर्न बढ़ा सकते हैं, लेकिन इनमें जोखिम अधिक होता है और पैसा जल्दी निकालना आसान नहीं होता।

(डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट के आधार पर जानकारी के उद्देश्य से दिया है। यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस के निजी विचार नहीं हैं। किसी कैटेगरी में निवेश की सलाह ब्रोकरेज हाउस के द्वारा दी गई है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)

विदेश घूमने का है प्लान तो ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय न करें गलतियां

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी विदेश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतें और विदेश जाने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस की बारीकियों को अच्छे से समझ लें, ताकि कवरेज, सब-लिमिट या बीमारी छिपाने जैसी गलती से आपका क्लेम अटके नहीं। वरना आपको इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर विदेश घूमने की प्लानिंग में फ्लाइट, होटल, घूमने-फिरने की जगहें सब कुछ सोच लिया जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस को हल्के में ले लेते हैं, जबकि बाहर कुछ अनहोनी हो जाए तो यही इंश्योरेंस बड़ा सहारा बन सकता है। जानकारों का कहना है कि भारतीय यात्री अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बाद में भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए कभी भी विदेश घूने के लिए जाएं तो इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस के बारे में अच्छे से जान लें। इससे आप आसानी से बिना किसी चिंता के विदेश घूम सकेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ नियम जो आपको विदेश जाने के दौरान होने वाली परेशानियां से बचाएंगे और सुरक्षित रखेंगे।

कवरेज की रकम कम रखना सबसे बड़ी भूल

शेंगेन देशों के लिए वीजा लेने के लिए कम से कम 30,000 यूरो का कवर जरूरी होता है, लेकिन ये सिर्फ वीजा की शर्त है, सुरक्षा के लिए नहीं। अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में मेडिकल खर्चा बहुत ज्यादा होता है। वहां एक दिन आईसीयू में रहने से ही पूरी कवरेज रकम खत्म हो सकती है और बाकी लाखों रुपये खुद की जेब से देने पड़ सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और ध्यान रखें।

पहले से मौजूद बीमारियां छिपाना भारी

कई लोग डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियां छिपा देते हैं, ताकि प्रीमियम कम देना पड़े। अगर विदेश में हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े और वो बीमारी छिपाई गई पुरानी बीमारी से जुड़ी हुई निकले, तो क्लेम तुरंत रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए जब भी इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस लें तो अपनी सारी बीमारियों का उल्लेख करें। इससे क्लेम लेने में परेशानी होगी।

सिर्फ मेडिकल कवर पर ध्यान न दें

ट्रैवल इंश्योरेंस में सिर्फ इलाज ही नहीं, फ्लाइट डिले, कैंसिलेशन और सामान खोने जैसी परेशानियों का भी कवर मिलता है। "अगर फ्लाइट छह घंटे से ज्यादा लेट हो जाए तो होटल और खाने का खर्चा क्लेम किया जा सकता है। सामान खोने पर एयरलाइन का लिखित डॉक्यूमेंट जरूर रखें, वरना इंश्योरेंस कंपनी क्लेम नहीं मानेगी।" इसलिए सिर्फ मेडिकल कवर ही नहीं, बाकी चीजों पर ध्यान न दें, ताकि किसी आपात स्थिति में आपको परेशानी का सामना न करना पड़े।

सब-लिमिट को नजरअंदाज करना

कई पॉलिसी में रूम रेंट या सर्जरी जैसे खर्चों पर अलग-अलग कैप यानी सब-लिमिट होती है। "भले ही कुल कवरेज रकम ज्यादा हो, लेकिन सब-लिमिट की वजह से क्लेम में बहुत कटौती हो सकती है।" इसलिए सब लिमिट पर भी ध्यान दें, ताकि बाद में पछताना न पड़े। इससे आप आसानी से क्लेम कर सकेंगे। अपनी ट्रिप के हिसाब से सही इंश्योरेंस चुनें कवरेज रकम और फीचर्स आपकी यात्रा की जगह, मकसद और दिनों के हिसाब से होने चाहिए। जानकारों का कहना है कि आप जिस देश में जा रहे हैं, वहां इलाज का औसत खर्चा एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। अमेरिका-यूरोप में इलाज का खर्च बहुत महंगा पड़ता है, जबकि साउथ ईस्ट एशिया या मिडिल ईस्ट में थोड़ा कम, लेकिन फिर भी काफी ज्यादा होता है। इसलिए पहले उस देश की स्थिति जरूी देख लें जहां आप घूमने जा रहे हैं।

यात्रा का मकसद

बिजनेस ट्रिप पर जाने वाले लोग फ्लाइट डिले, मिस्ड कनेक्शन और लैपटॉप-डिवाइस कवर को प्राथमिकता दें। घूमने-फिरने वाले लोगों को एडवेंचर स्पोर्ट्स, कार रेंटल या क्रूज कवर की जरूरत पड़ सकती है। "बुजुर्गों को पुरानी बीमारियां पूरी तरह बतानी चाहिए। कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन वाली पॉलिसी लें और कम खर्च वाले देशों में भी ज्यादा कवरेज रखें।" शुरू में आपको थोड़ा ज्यादा पैसा प्रीमियम के तौर पर देना पड़ सकता है, बाद में यह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

एक्सक्लूजन और शर्तें ध्यान से देखें

एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं : ज्यादातर पॉलिसी में सिर्फ लाइसेंस वाले इंस्ट्रक्टर की निगरानी में किए गए मनोरंजन वाले एक्टिविटी का कवर मिलता है। प्रोफेशनल लेवल पर प्राइज मनी वाली एक्टिविटी शामिल नहीं होती। एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं देखकर ही बीमा करवाएं।

डिडक्टिबल और सब-लिमिट

डिडक्टिबल वो फिक्स रकम है जो आपको खुद देनी पड़ती है, उसके बाद इंश्योरेंस शुरू होता है। "लोग अक्सर नहीं जानते कि डिडक्टिबल से कम का क्लेम बिल्कुल नहीं मिलेगा।" विदेश यात्रा का इंश्योरेंस सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही तरीके से समझकर और अपनी जरूरत के मुताबिक लिया गया प्लान भारी-भरकम मेडिकल बिल, ट्रिप में रुकावट और दूसरी परेशानियों से बचा सकता है।

निवेशकों को खूब भाया

फ्लेक्सी कैप फंड्स इस साल रहा टॉपर

बिजनेस डेस्क

- नेट सेल्स 12 महीनों में सबसे ज्यादा रही
- म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ हुआ
- फ्लेक्सी कैप की खासियत ये लार्ज, मिड व स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश बदलते रहते हैं

एक साल में म्यूचुअल फंड मार्केट में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे हैं। यह दिखाता है कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में निवेशक अब ज्यादा लचीलापन चाहते हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। निवेशकों ने इसमें बढ़-चढ़कर निवेश और अपनी पूंजी बढ़ाई। इस फंड में मिल रहे अच्छे रिटर्न के कारण ही यह इस सबसे लोकप्रिय फंड बनकार उभरा और निवेशकों का धन बढ़ाने का काम किया।

इक्विटी की मजबूती से बूस्ट

फ्लेक्सी-कैप फंड्स के अच्छे प्रदर्शन से कुल इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब इक्विटी स्कीमें कुल म्यूचुअल फंड एयूएम का करीब 60% हिस्सा रखती हैं, जो बताता है कि रिटेल निवेशक हाई रिटर्न के लिए जोखिम लेने को तैयार हैं। एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड्स में लगातार पैसा आ रहा है, जिससे फ्लेक्सी-कैप फंड्स को लंबे समय का स्थिर निवेश मिल रहा। ये पोर्टफोलियो का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

म्यूचुअल फंड का एसेट्स बैंक डिपॉजिट का एक तिहाई

घरेलू बचत के तरीके में अब साफ बदलाव दिखाई दे रहा है। म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो अब कुल बैंक डिपॉजिट का करीब 33% है। एक दशक पहले यह आंकड़ा सिर्फ करीब 13% था। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि निवेशक पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट से धीरे-धीरे हटकर लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, खासकर फ्लेक्सी-कैप जैसे इक्विटी आधारित फंड्स की तरफ।

निवेशकों की सोच में बदलाव

पिछले 5 सालों में म्यूचुअल फंड की संपत्ति 22% की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ी है, जो बैंक डिपॉजिट की करीब 11% की बढ़त से डबल है। यह बढ़ता गैप बताता है कि लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है, मेट्रो शहरों के बाहर भी म्यूचुअल फंड की पहुंच मजबूत हुई है और प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट पर भरोसा बढ़ा है। ग्रोथ की संभावना और लचीलापन रखने वाले फ्लेक्सी-कैप फंड्स इस बदलाव के सबसे बड़े बेनेफिशियरीज में शामिल हैं।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता व घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की बढ़ती हिस्सेदारी यह साफ दिखाती है कि भारत में निवेश की सोच बदल रही है। निवेशक अब बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

क्या है फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, जिससे वे बाजार की स्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड की विशेषताएं

- **लचीलापन:** फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, वे बाजार के अनुसार पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।
- **विविधता:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से लार्ज, मिड व स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **जोखिम और रिटर्न का संतुलन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको जोखिम और रिटर्न का संतुलन मिलता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है ।

फ्लेक्सी कैप फंड के लाभ

- **पेशेवर मैनेजमेंट:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको पेशेवर फंड मैनेजर्स की दक्षता और जानकारी का लाभ मिलता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है

ईपीएफ-एनपीएस से एफडी तक

2025 में बुजुर्गों को मिला कितना रिटर्न

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इस साल भारत के बुजुर्गों के लिए सेवानिवृत्ति पर निवेश से मिले-जुले नतीजे सामने आए हैं। ज्यादातर फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में रिटर्न स्थिर रहे, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश में काफी उतार-चढ़ाव दिखा। यह सब निवेश की मात्रा और सही समय पर निर्भर करता रहा। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न अच्छे और स्थिर रहे। पेंशनबाजार के हेड विश्वजीत गोयल के मुताबिक, ईपीएफ ने 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दिया। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी छोटी बचत योजनाओं में 8.2 फीसदी का रिटर्न मिला। पोस्ट ऑफिस की जमा योजनाएं 6.9 से 7.5 फीसदी तक ब्याज दे रही थीं, जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में बुजुर्गों को 7 से 7.5 फीसदी के बीच मिला। कुल मिलाकर सुरक्षित विकल्पों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया।

बाजार से जुड़े निवेश में बड़ा अंतर

मार्केट लिंक्ड विकल्पों की बात अलग थी। विश्वजीत गोयल बताते हैं कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के इक्विटी स्कीमों ने एक साल में मिड-20 से लो-30 फीसदी तक रिटर्न दिया। कॉर्पोरेट बॉन्ड स्कीमों में करीब 9 फीसदी और सरकारी बॉन्ड स्कीमों में 4 से 6 फीसदी तक मिला।

- रिटायरमेंट निवेश का सचः 2025 में बुजुर्गों के रिटायरमेंट निवेश में फिक्स्ड इनकम स्थिर रहे
- वहीं, इक्विटी और एनपीएस में रिटर्न समय और निवेश के हिसाब से बदलते रहे

एक आम रिटायरमेंट के करीब व्यक्ति जिसने एनपीएस में बैलेंस्ड तरीके से पैसा लगाया, उसे कुल 8 से 12 फीसदी रिटर्न हाथ लगा, लेकिन शेयर बाजार इंडेक्स ने बहुत कम दिया। जानकारों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स टीआरआई ने वित्त वर्ष 2025 में महज करीब 6 फीसदी रिटर्न दिया।

निवेशकों की गलतियां

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बुजुर्गों ने गलतियां कीं। ज्यादातर लोग बैंक डिपॉजिट में ही ज्यादा पैसा रखे रहे, टैक्स बचत वाले विकल्पों का फायदा नहीं उठाया या गलत एन्युटी प्लान चुन लिया, जिससे पेंशन कम हो गई या जीवनसाथी को कोई सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि मेडिकल महंगाई 12-15 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि ज्यादातर बुजुर्गों को सिर्फ 7-8 फीसदी रिटर्न मिल रहा है। ऑनलाइन ठगी का खतरा बताया। उदाहरण के तौर पर पुणे के एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर चलाए जा रहे ऑनलाइन स्कैम में पूरा 2.2 करोड़ रुपये गंवा दिए।

ये जरूरी बदलाव आपको 2026 के लिए क्या करनी है तैयारी

- आर्थिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अब धीरे-धीरे ऐसा पोर्टफोलियो बनाएं। इसमें नियमित आय भी आए और थोड़ी ग्रोथ भी रहे। मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कम करें, डेट हिस्से को मजबूत बनाएं और 3 से 5 साल की जरूरत के लिए लिक्विडिटी अलग रखें।
- एससीएसएस, ईपीएफ, शॉर्ट से मीडियम टर्म डेट फंड्स, रीट्स/इनविट्स, लैडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट और थोड़ा सा इक्विटी हिस्सा मिलाकर चलें। साथ ही 6 से 12 महीने का आपातकालीन फंड जरूर रखें।

अनुमानः ब्याज दरें नीचें आएंगी

- विशेषज्ञों की लोगों को सलाह कि वे लंबे समय के ब्याज दरें नीचे आएंगी, इसलिए अभी जो अच्छे स्थिर रिटर्न मिल रहे हैं, उन्हें लॉक कर लेना चाहिए। अनुमान है कि 2026 में बैंक एफडी पर 5.5 से 7.5 फीसदी और जी-सेक पर 6 से 6.5 फीसदी तक मिल सकता है। अगर ब्याज दरें गिरेंगी तो एन्युटी की पेआउट भी कम हो सकती है।
- 2024-25 में कई बड़े नियम बदले। यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू हुई, एनपीएस वात्सल्य लॉन्च हुआ, एनपीएस/यूपीएस/एपीवाई के चार्जेस बदले गए और इंश्योरेंस टैक्स व जीएसटी में भी बदलाव आए। 2026 की प्लानिंग करते समय इन सब पर नजर रखनी जरूरी है।

सावधानी नहीं बरती तो बिगड़ जाएगा फाइनेंस का पूरा गणित

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही तय करते हैं बुढ़ापे की जिंदगी

लापरवाही बरती तो बुढ़ापे में इसका खामियाजा भुगतना होगा

बिजनेस डेस्क

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही बुढ़ापे की जिंदगी तय करते हैं। अगर आपने इस उम्र में गलत डिसीजन लिए या लापरवाही बरती तो बुढ़ापे पर आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी गलतियों के बारे में जो आपके बुढ़ापे पर फाइनेंस का पूरा गणित बिगाड़ सकती हैं और आपको भारी आर्थिक परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। जवानी में करियर, मस्ती और लाइफस्टाइल पर पूरा फोकस रहता है। इसी भागदौड़ में कई ऐसे फैसले टलते रहते हैं, जो बुढ़ापे को सिक्योर बनाने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। उस वक्त लगता है कि अभी बहुत समय है, बाद में देख लेंगे. लेकिन जब उम्र बढ़ती है और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब उन गलतियों को सुधारने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

निवेश में देरी

सबसे बड़ी और सबसे आम गलती है समय रहते निवेश शुरू न करना। कई लोग निवेश को खर्च समझ लेते हैं और सोचते हैं कि जब सैलरी बढ़ेगी तब निवेश करेंगे। कुछ लोग 20 साल और 30 साल की उम्र मौज-मस्ती में निकाल देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा है। छोटी रकम से भी निवेश शुरू किया जा सकता है, जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा समय कंपाउंडिंग को मिलेगा और उतना बड़ा फंड तैयार होगा। देर करने पर बुढ़ापे में फंड की कमी साफ महसूस होती है। इसलिए हमेशा निवेश जल्द शुरू कर देना चाहिए, ताकि बाद में पछताना ना पड़े और समय रहते आपके पास अच्छा खासा फंड एकत्र हो सके।

निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा

घर नहीं सोचा तो बुढ़ापे में परेशानी

आज भी बहुत से लोग किराए के घर में रहते हुए सोचते रहते हैं कि कभी तो अपना घर लेंगे। लेकिन सही समय पर प्लानिंग न करने की वजह से ये सपना अधूरा रह जाता है। जवानी में होम लोन लेना आसान होता है, ईएमआई चुकाने के लिए लंबा समय मिलता है और इनकम बढ़ने की संभावना भी रहती है। 40 साल की उम्र के बाद ये फैसला मुश्किल हो जाता है। जो लोग समय रहते घर की प्लानिंग नहीं करते, वो बुढ़ापे में सबसे ज्यादा पछताते हैं। इसलिए आप अपना बुढ़ापा शान से गुजारना चाहते हैं तो 40 साल की उम्र होने से पहले ही अपने लिए एक मकान जरूर बना लें। इससे आपको बुढ़ापे में परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल

जरूरत और शौक के फर्क को न समझना भी एक बड़ी गलती है। कई युवा लग्ज़री लाइफ जीने के लिए क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। लंबे समय तक कर्ज चुकाने से सेविंग नहीं बन पाती। नतीजा यह होता है कि बुढ़ापे तक भी ईएमआई पीछा नहीं छोड़ती। लोन उतना ही लें, जितना आपकी इनकम और सेविंग्स आराम से संभाल सकें। लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल एक बड़ा खतरा है, जिससे हमें बचना होगा। हमें अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देनी, बजट बनाना, कर्ज लेने से पहले सोचना और कर्ज को जल्दी चुकाने की कोशिश करनी होगी। तभी हम कर्ज के जाल से बच सकते हैं।

इंश्योरेंस से दूरी

कई लोग सोचते हैं कि इंश्योरेंस की अभी क्या जरूरत है, लेकिन यही सोच आगे चलकर भारी पड़ती है। कम उम्र में टर्म और हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर प्रीमियम कम होता है और कवर ज्यादा मिलता है। यह मुश्किल समय में आपके और आपके परिवार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनता है। हेल्थ खर्च और अनहोनी से बचाव के लिए इंश्योरेंस को नजरअंदाज करना बड़ी भूल है। समय रहते इंश्योरेंस कवर ले लेना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में मुंह न ताकना पड़े।

रिटायरमेंट प्लानिंग टालना

बच्चे संभाल लेंगे या अभी तो बहुत टाइम है जैसी सोच सबसे खतरनाक होती है। जल्दी रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना ही मजबूत फंड तैयार होगा।

खबर संक्षेप

गुरु तेग बहादुर के नाटक का होगा मंचन

महेंद्रगढ़। गुरु तेग बहादुर की शहादत पर आधारित संगीतमय नाटक तप से त्याग तक का संगीतमय मंचन शीघ्र ही महेंद्रगढ़ में भी किया जाएगा। कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ व सार्थक नाट्य मंच के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। इस संगीतमय नाटक का मंचन देश के कोने कोने में किया जा चुका है। याहा निदेशक अनिल कौशिक ने बताया कि गुरु तेग बहादुर सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने अनेक वर्षों तक सिखों का नेतृत्व किया। साथ ही धर्म व सिद्धांतों की रक्षा के लिया शहादत दी। उन्हें हिंद की चादर के नाम से भी जाना जाता है। इस नाटक के मंचन के लिए संस्था द्वारा कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ को अनुरोध पत्र भेजा गया है। गत दिवस इस खूबसूरत नाटक का मंचन अप्रैल हाउस गुरुग्राम में भी किया जा चुका है।

अरुणा बनी आर्य समाज जिला इकाई की प्रधान

नारनौल। आर्य समाज जिला इकाई की कार्यकारिणी का गठन किया गया है, जिसमें अरुणा जांगड़ा को जिला प्रधान नियुक्त किया गया। उनके साथ वेदप्रकाश शर्मा को उपप्रधान, योगाचार्य विश्वास पाल आर्य को सचिव, जयप्रकाश यादव को उपसचिव, सुरेश कुमार यादव को कोषाध्यक्ष, अधिवक्ता सुधीर कुमार को कानूनी सलाहकार व वेदप्रकाश आर्य को संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। आर्य उपदेशक डॉ. कृष्ण कुमार आर्य व वासुदेव आर्य के संरक्षण में नवनियुक्त कमेटी का स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि अरुणा जांगड़ा के पति मनोज जांगड़ा पूर्व में नगर परिषद के उपप्रधान रह चुके हैं तथा वह एक प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते हैं। समाज सेवा कार्यों में उनकी अग्रणी रूप में गिनती होती है। अरुणा जांगड़ा की नियुक्ति पर विधायक ओमप्रकाश यादव ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी आर्य समाज परिवार से संबंध रखते हैं और अरुणा जांगड़ा के प्रधान बनने से जिले में आर्य समाज की गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

अरुणा जांगड़ा।

आईजीयू ने पीएचडी में आवेदन करने की तिथि 30 तक बढ़ाई

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में सत्र 2025-26 के पीएचडी के दाखिलों के लिए आवेदन तिथि को बढ़ा दिया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 दिसंबर तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। प्रवेश परीक्षा 1 जनवरी को आयोजित की जाएगी व 2 जनवरी को परिणाम प्रदर्शित किया जाएगा। प्रथम मेरिट लिस्ट 5 जनवरी को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। प्रथम फिजिकल काउंसलिंग 6 जनवरी को होगी।

हरियाणा एनसीआर दिल्ली के तापमान में गिरावट आएगी

बदलेगा मौसम, 29 को सक्रिय होगा नया पश्चिमी विक्षोभ

मौसम बदलने से धुंध, कोहरा व शीतलहर की सम्भावना है, वहीं, तापमान में भी उतार चढ़ाव दिखाई देगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है, साथ ही सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। वर्तमान में एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी जारी है और मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में कहीं कहीं आंशिक बादलवाही देखने को मिल रही है। इस पश्चिमी मौसम प्रणाली से मैदानी इलाकों में दक्षिणी पूर्वी हवाओं से सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिल रही, जबकि रात्रि तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिल रही है। यानी दिन और रात के तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सबसे कम दिन का तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस मेवात में दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान सबसे कम 5.3 जींद का दर्ज हुआ। बार बार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने मैदानी राज्यों में बारिश की गतिविधियां नदारद है। जिसकी वजह से सर्दी की सुंदरता धुंध, कोहरा, शीतलहर के दिनों में भी बार बार रूकावट बनी हुई है।

यानी इन गतिविधियों में बार उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा। इस मौसम प्रणाली से उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी व बारिश की गतिविधियां देखने को मिलेगी, जबकि मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा के उत्तरी जिलों में छिट-पुट बूंदाबांदी व शेष हरियाणा एनसीआर दिल्ली में आंशिक बादलवाही देखने को मिलेगी। इस पश्चिमी मौसम प्रणाली से लगातार दक्षिणी पूर्वी हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में नमी की मात्रा में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जिसके कारण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अगर हवाएं शांत बनी रही, तो सुबह के समय धुंध व कोहरा की सम्भावना बन रही है।

तापमान में आएगी गिरावट

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि 21-22 दिसम्बर को हरियाणा के पूर्वी हिस्से, जबकि 23-24 पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में धुंध कोहरा देखने को मिलेगा। यह मौसम प्रणाली जैसे ही आगे निकल जाएगी, वैसे ही उत्तरी बर्फिली सर्द हवाओं से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में दिन व रात के तापमान में गिरावट और धुंध कोहरा, शीतलहर की सम्भावना बन रही है। इसके अलावा 29 दिसंबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः= 20.0 व 5.8 डिग्री सेल्सियस और 24.8 व 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीलिंग प्लान के तहत नियम तोड़ने वालों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, अपराधों पर अंकुश लगाने व आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से शुक्रवार शाम सीलिंग अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशानिर्देशों के तहत पूरे जिले में पुलिस बल ने मुस्तैदी के साथ व्यापक वाहन चेकिंग की। सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिले के विभिन्न मार्गों, चौराहों व संवेदनशील स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की गई थी।

गाड़ी की तलाशी लेती पुलिस।

वाहनों को जांचा

इस दौरान चेकिंग टीमों ने दोपहिया, चारपहिया, हल्के व भारी वाहनों समेत सभी प्रकार के वाहनों की गहनता से जांच की गई। पुलिसकर्मियों ने न केवल यातायात नियमों की अनुपालना जांची, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों और व्यक्तियों पर भी पैनी नजर रखी। नाकाबंदी के दौरान प्रत्येक वाहन की बारीकी से तलाशी ली गई, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री या संदिग्ध गतिविधि की संभावना को समाप्त किया जा सके। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चालान भी काटे गए।

बांग्लादेश में हिंदुओं को जलाने पर जताया आक्रोश

नांगल चौधरी। बांग्लादेश में अराजक तत्वों ने निर्दोष हिंदुओं को जला दिया। जिससे आक्रोशित हिंदू महासभा ने प्रदेशाध्यक्ष सतीश रावत की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की। जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके प्रधानमंत्री को भेजा गया। जिसमें हिंदू पर हो रहे अत्याचार बंद कराने तथा अराजकतत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करवाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि हिंदू समाज में अराजकता फैलाने की परंपरा नहीं है। सभी धर्मों को सम्मान देने और भाईचारे पूर्वक रहने के सिद्धांत हैं, लेकिन पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में आंतकी युवाओं में तांडव मचाना आरंभ कर दिया।

प्रदेशाध्यक्ष सतीश रावत

अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस की हताशा का प्रतीकः प्रो. रामबिलास शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

- पिछले पांच वर्षों में तीसरी बार लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिरा

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को हताशा और निराशा का प्रतीक बताया है। उन्होंने प्रेस के नाम जारी बयान में कहा कि पहले से ही स्पष्ट था कि संख्या बल के अभाव में कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा पिछले पांच वर्षों में तीसरी बार हरियाणा की भाजपा सरकार के खिलाफ सदन में लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिर गया है। यह कांग्रेस की हताशा, निराशा और लगातार गिरते जनाधार को दर्शाता है, जिससे स्पष्ट होता है कि जनता बार-बार कांग्रेस को नकार रही है। प्रो. शर्मा ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार है, जब प्रदेश की जनता ने लगातार तीसरी बार एक ही पार्टी को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता सौंपी है। वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के बाद अब तक कोई भी सरकार लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर पाई थी।

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा।

विश्व ध्यान दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, विद्यार्थियों को कराया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में जीएलएच स्कूल में जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला आयुष अधिकारी डा. बसंत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एचवाईएसए के सचिव डा. युद्धवीर व प्रधानाचार्य चन्द्रवानी शर्मा उपस्थित थे। योग विशेषज्ञ राकेश छिल्लर ने वैदिक ध्यान की क्रियाओं से शिक्षकों, विद्यार्थियों व आमजन को अभ्यास कराया। इस मौके पर जिला आयुष अधिकारी डा. बसंत ने कहा कि जिला स्तरीय ध्यान शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को ध्यान साधना के महत्व से अवगत कराना तथा उनके मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने स्वस्थ जीवन शैली पर साधकों को आयुर्वेद का मर्म समझाया। डा. युद्धवीर ने योग का खेलों में योगदान व आसन खेल प्रतियोगिता से विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर योग सहायक जयदीप यादव, नितिन, नीतू, सुरेंद्र व सुखविंद्र कौर मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में योग ध्यान का अभ्यास करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सुशासन सप्ताहः प्रशासन गांवों की ओर अभियान

एक ही दिन में 161 इंतकाल किए दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

सुशासन सप्ताह के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन महेंद्रगढ़ की ओर से मुख्यमंत्री के विजन को धरातल पर उतारते हुए शुक्रवार को प्रशासन गांवों की ओर अभियान का शानदार आगाज किया गया। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के मार्गदर्शन में जिले की सभी तहसीलों में विशेष राजस्व कैंप आयोजित किए गए। इन कैंपों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का मौके पर ही निपटारा करना और सरकारी सेवाओं को उनके घर के द्वार तक पहुंचाना था। विशेष कैंपों के दौरान राजस्व विभाग ने तत्परता दिखाते हुए विभिन्न सेवाओं का लाभ जनता तक पहुंचाया। जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि इन कैंपों का आयोजन यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि आमजन को छोटे छोटे कार्यों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। प्रशासन गांवों की ओर की यह पहल पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो रही है।

नारनौल। तलोट गांव में नागरिकों की समस्याएं सुनते तहसील अधिकारी।

ये कैंप के पहले दिन के आंकड़े

इंतकालः सबसे अधिक सक्रियता इंतकाल के मामलों में देखी गई, जहां पूरे जिले में कुल 161 इंतकाल दर्ज किए गए। नांगल चौधरी तहसील में सर्वाधिक 68 इंतकाल किए गए, इसके बाद कनीना में 40, महेंद्रगढ़ में 22, अटेली में 18 और नारनौल में 13 इंतकाल दर्ज हुए। इंतकाल के अलावा चार पैमाइश के मामले सुलझाए गए और छह समाधान शिविरों के माध्यम से शिकायतों का निवारण किया गया।

जन शिकायत निवारणः कैंप के दौरान दो सीएम विंडो शिकायतों और एक सीपी ग्राम मामले पर भी कार्रवाई की गई।
सत्यापन कार्यः पटवारी, कानूनगो और सीआरओ स्तर पर कुल 108 सत्यापन कार्य पूरे किए गए। जिससे नागरिकों को प्रमाण पत्रों के लिए भटकना न पड़े। इसके अलावा नांगल चौधरी तहसील बंटवारा के दो मामले, गिरदावरी दुरुस्ती का एक मामला और जनसंवाद के पांच मामले जैसी विविध सेवाओं का लाभ लोगों को मिला।

कबड्डी में विद्यार्थियों ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया

- बीकानेर व गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा के विद्यार्थियों के बीच मिलन समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर तथा गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा के विद्यार्थियों के बीच मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य मनोज कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपस में मिलकर एक दूसरे के विचारो के आदान प्रदान के साथ-साथ दूसरे विद्यालय की कार्य प्रणाली व वहां की प्रतिभाओं से रूबरू कराना है। अध्यापक मुकेश कुमार के नेतृत्व में बीकानेर के विद्यार्थियों का दल गुरुकुल किशनगढ़ घासेड़ा पहुंचा। गुरुकुल प्राचार्य सत्यव्रत शास्त्री ने विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। गुरुकुल कोऑर्डिनेटर आचार्य सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों का आपस में परिचय कराया तथा गुरुकुल स्थित कक्षा कक्ष, छात्रावास, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, व्यायाम शाला व यज्ञशाला का भ्रमण कराकर जानकारी प्रदान की। शारीरिक शिक्षक राजेश कुमार तथा गुरुकुल डीपी हरीश आचार्य के संयुक्त नेतृत्व में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें खेल प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थे। खेल प्रतियोगिताओ में क्रिकेट मैच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमे गुरुकुल के विद्यार्थियों ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए बीकानेर की टीम को एकतरफा मुकाबले में भारी अंतर से परास्त किया। दौड़ प्रतियोगिता में जहां बीकानेर के विद्यार्थी भारी पड़े, वहीं कबड्डी और कुश्ती प्रतियोगिताओं में गुरुकुल के विद्यार्थियों ने अपनी क्षमता का लोहा मनवाया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत करके उत्साहवर्धन किया और जीवन में शिक्षा के साथ संस्कार अर्जित करने और जीवन में यज्ञ, योग और आयुर्वेद अपनाने की अपील की। इस मौके पर आचार्य गिरीश कुमार, संगीत आचार्य भवानी शंकर, आचार्य सुभाष, आचार्य आनंद व हर्ष कुमार ने सहयोग दिया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कोसली पहुंची आत्मनिर्भर भारत रथ यात्रा

- स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने का किया अनुरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭कोसली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आत्मनिर्भर भारत रथ यात्रा शनिवार को दोपहर कोसली पहुंची। यात्रा में शामिल भाजपा नेताओं ने दुकानदारों व आम लोगों से राष्ट्रनिर्माण के अभियान को समर्थन देने की अपील की और कहा कि भारत को विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनुशासन के साथ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक मजबूत करने के लिए स्वदेशी का प्रयोग जरूरी है। भाजपा नेताओं ने स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि हरियाणा सरकार ने कृषि व औद्योगिक एमएसएमई के लिए बुनियादी ढांचा के विकास,आईटी कौशल के लिए प्रशिक्षण व महिलाओं के सशक्ति करणके लिए अनेक योजनाएं शुरू की है। भाजपा नेताओं ने दुकानदारों से मिलकर स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री करने तथा स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने का भी अनुरोध किया। यात्रा में अजय खुंडिया, महेश यादव, संदीप यादव, पूर्व प्रदेश महामंत्री वीर कुमार यादव, जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, हिमांशु पालीवाल, कुलदीप चौधरी, बलजीत यादव, शारदा यादव, प्रवीण शर्मा, अमृत लाल ल टिकानिया, मार्केट कमेटी के चेयरमैन महेश यादव, वाइस चेयरमैन दिनेश गोयल, सुरेंद्र पूर्व सरपंच, गुरदयाल सिंह एडवोकेट, महेश चंद लखेरा, ओमप्रकाश, गजराज सिंह आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। कोसली में लोगों को संबोधित करते भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना पोपली।

सैनी सभा ने हर्षोल्लास से मनाई महाराजा शूर सैनी जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭रेवाड़ी

सैनी सभा की ओर से शनिवार को महाराजा शूर सैनी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने महाराजा शूर सैनी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया। कार्यक्रम में सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी, सैनी महासभा हरियाणा प्रदेश के उपाध्यक्ष चेतराम सैनी, महासचिव एडवोकेट धर्मेन्द्र सैनी, सह सचिव सुंदर लाल सैनी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण सैनी, शशि सैनी, कार्यकारिणी सदस्य सतीश सैनी व उमेश सैनी, कॉलेजियम सदस्य ओमप्रकाश सैनी, मनीष सैनी, एडवोकेट सचिन सैनी, एडवोकेट ललित सैनी व राजकुमार सैनी, सुरेश सैनी, दलीप सैनी, प्रकाश सैनी, मानवाधिकार मिशन के जिला अध्यक्ष महिपाल सैनी, रमेश सैनी, सतीश सैनी, गोकल चंद सैनी, नरेश सैनी, शिम्भू दयाल सैनी, कैलाश सैनी, अशोक सैनी व लालाराम सैनी सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस दौरान प्रधान मनोज सैनी और प्रदेश उपाध्यक्ष चेतराम सैनी ने महाराजा शूर सैनी के कार्यों की सराहना करते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा शूर सैनी का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके आदर्शों पर चलकर समाज को और मजबूत बनाया जा सकता है।

रेवाड़ी। महाराजा शूरसैनी को नमन करते समाज के लोग।

कार्यक्रम एडवोकेट की ओर से तीन विद्यालयों में शिक्षा की सवामणी कार्यक्रम आयोजित

पेट की बजाय ज्ञान की भूख मिटा रहा शिक्षा की सवामणी अभियानः नरेंद्र यादव एडवोकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के माध्यम से एडवोकेट नरेंद्र यादव 'गुवानी' द्वारा 'शिक्षा की सवामणी' प्रकल्प के अंतर्गत शनिवार तीन शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद बच्चों को लेखन सामग्री उपलब्ध कराकर उन्हें प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मारोली से हुई, जहां 'शिक्षा की सवामणी' के रूप में विद्यार्थियों को लेखन सामग्री प्रसाद स्वरूप वितरित की गई। इस अवसर पर एडवोकेट नरेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि "शिक्षा की सवामणी कोई औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक विचार और संकल्प है, जिसके माध्यम से समाज के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाई जा सकती है।

नारनौल। शिक्षा की सवामणी में प्रसाद ग्रहण करते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा की अलख जगाना

शिक्षा की सवामणी पेट की बजाय ज्ञान की भूख मिटाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखते हुए उसे सेवा, संस्कार और सामाजिक दायित्व से जोड़ना है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप पर्यावरणविद कृष्ण कुमार एडवोकेट एवं नर नारायण सेवा समिति के अध्यक्ष रामसिंह मधुर मौजूद रहे।

अनोखी सवामणी

इसके पश्चात दूसरा कार्यक्रम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अकबरपुर में आयोजित किया गया। विद्यालय प्रवक्ता दिनेश गांधी ने बताया कि यहां भी विद्यार्थियों को लेखन सामग्री के रूप में 'शिक्षा की सवामणी' का प्रसाद वितरित किया गया। तृतीय एवं अंतिम कार्यक्रम राजकीय माध्यमिक विद्यालय नंगली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आभार प्रकट करते हुए मुख्य अध्यापक रणवीर आर्य ने कहा कि ऐसी अनोखी सवामणी बहुत कम देखने को मिलती है।

खबर संक्षेप

जयभगवान जिला भाजपा के विशेष आमंत्रित सदस्य बने

कोसली। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई ने गांव फतेहपुरी के पूर्व सरपंच जयभगवान शर्मा को जिला कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया है। जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल ने बताया कि जिला भाजपा अध्यक्ष वंदना पोपली ने प्रदेश नेतृत्व से विचार-विमर्श कर जिले के 13 लोगों को जिला कार्यकारिणी में आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। जयभगवान शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह, विधायक अनिल यादव व जिला अध्यक्ष वंदना पोपली का आभार व्यक्त किया है।

पोक्सो एक्ट का आरोपी भेजा जेल

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 8 दिसंबर को आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़िता का सामान्य अस्पताल से मेडिकल भी कराया गया था। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में थाना रामपुरा क्षेत्र के एक गांव निवासी सौरव को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया गया।

ओवरब्रिज पर अंधेरा छाया रहने से वाहन चालकों की परेशानी बढ़ी

भाड़ावास रेलवे फाटक पर आरओबी से सुगम हुआ सफर

रात के समय अंधेरा लोगों को हादसा होने का डर

रेवाड़ी। ओवरब्रिज पर रात के समय छाया अंधेरा तथा दिन में लाइट जलाकर गुजरते वाहन चालक। फोटो : हरिभूमि

रेलवे फाटक पर बने अंडरपास में दिन में भी लाइट जलाकर गुजर रहे वाहन चालक, सर्विस रोड की समस्या का भी समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी-शाहजहांपुर स्टेट हाइवे स्थित भाड़ावास रेलवे फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज को सुचारू रूप से शुरू हुए 6 माह से अधिक हो चुके है। ओवरब्रिज के साथ ही रेलवे फाटक पर अंडरपास का निर्माण कार्य भी किया गया था। ओवरब्रिज व अंडरपास से वाहनों को आवागमन भी चल रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से जून माह में ओवरब्रिज का उद्घाटन किया गया था, लेकिन ओवरब्रिज व अंडरपास पर अभी भी अनेक खामियां नजर आ रही है।

ओवरब्रिज पर स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण जहां रात के समय अंधेरा रहता है, वहीं अंडरपास में चालकों को दिन भी वाहनों की लाइट जलाकर गुजरना पड़ रहा है। ओवरब्रिज पर स्ट्रीट लाइटें नहीं होने के कारण हमेशा हादसा होने का डर बना रहता है। सर्दी के मौसम में कोहरा पड़ने से रात के समय ओवरब्रिज पर अंधेरा छाया रहने से वाहन चालकों की परेशानी ज्यादा बढ़ गई है।

अभी तक लाईट की व्यवस्था नहीं

ओवरब्रिज व अंडरपास बनने से भाड़ावास मार्ग पर स्थित करीब 30 से 35 गांवों तथा फाटक के पास स्थित कंपनीबाग, हंस नगर, न्यू आदर्श नगर और परशुराम कॉलोनी के हजारों लोगों का सफर सुगम हो गया है, लेकिन ओवरब्रिज व अंडरपास में अभी तक लाइटों की व्यवस्था नहीं की गई है। वहीं सर्विस रोड की जगह भी कम होने के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, हालांकि सर्विस रोड को चौड़ा करने के लिए जमीन खरीदी जाएगी, लेकिन अभी से प्रक्रिया काफी सुस्त चल रही है। सर्विस रोड को चौड़ा करने के लिए स्थानीय निवासी कई बार ज्ञापन भी दे चुके है तथा प्रशासन के साथ बैठक भी हो चुकी है, लेकिन अभी सर्विस रोड को चौड़ा करने की प्रक्रिया सिरे नहीं चढ़ पा रही है।

मई में चालू हो गया था ओवरब्रिज

भाड़ावास रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य सितंबर 2021 में शुरू किया गया था। हरियाणा राज्य सड़क एवं पुल विकास निगम यानि एचएसआरडीसी व रेलवे की ओर से 60 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया आरओबी मई माह में चालू कर दिया गया था, जबकि अंडरपास देरी से चालू किया गया। ओवरब्रिज के बनने से रेवाड़ी-शाहजहांपुर मार्ग पर स्थित सैकड़ों गांवों तथा आसपास की कॉलोनियों के लोगों को काफी राहत मिली है।

रेवाड़ी। एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए विवि प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के बीच अनुसंधान, शैक्षणिक गतिविधियों व कार्यशालाओं में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया। आईजीयू की ओर से अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रोफेसर सुनील कुमार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आईजीयू कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि विश्वविद्यालय एवं संस्थाओं के बीच इस प्रकार के एमओयू से शैक्षणिक सहयोग पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा और अनुसंधान एवं शिक्षा में मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि एमओयू का मुख्य उद्देश्य शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों में सकारात्मक कुशलता को निखारते हुए विश्वविद्यालय की शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में समग्र रूप से रुचि को बढ़ावा देना है ताकि शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी दोनों विश्वविद्यालयों के संसाधनों का प्रयोग करते हुए नए शोध कार्य कर सकें। आईजीयू के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने कहा कि इस प्रकार के एमओयू विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं अनुसंधात्मक कार्यों में निरंतर बढ़ावा देने के लिए सहायक सिद्ध होंगे। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि एमओयू से आईजीयू एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के शिक्षक आपस में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र विकास और अनुसंधान में हो रहे विकास से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं अनुसंधात्मक प्रक्रियाओं एवं सम्मेलन सेमिनार तथा शैक्षणिक सामग्री व प्रकाशनों का आदान-प्रदान में एक दूसरे का सहयोग करते हुए सभी गतिविधियों का लाभ प्राप्त कर परामर्श अध्ययन कर सकेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ से प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. नीलम सांगवान व प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

साइकिल रैली निकालकर नशे से दूर रहने की अपील

रेवाड़ी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यकारी अध्यक्ष लीजा गिल तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला सदस्य सचिव जगदीप सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिठवाना में साइकिल रैली आयोजन किया गया। साइकिल रैली के माध्यम ये आमजन से नशे से दूर रहने की अपील की गई। आमजन को संदेश दिया गया कि किसी भी प्रकार का नशा समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक है। व्यक्ति के परिवार का विश्वास धीरे-धीरे वापस मिलता है और समाज में उनका सम्मान बढ़ता है। रैली में स्कूल प्रधानाचार्य डा. दुष्यंत व स्कूल स्टाफ सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में रेत पर उकेरी चार साहिबजादों के शहादत की अमर कहानी

- एसडीएम ने विद्यार्थियों को वीर साहिबजादों के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। छात्राओं को संबोधित करते हुए एसडीएम सुरेश कुमार तथा कार्यक्रम में मौजूद गर्ल्स स्कूल की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशन में गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान, संघर्ष और वीरता की गाथा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सैंड आर्ट शो यानि रेत कला प्रदर्शनी और जिला स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम सुरेश कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनसीबी प्रोडक्शन के सैंड आर्टिस्ट मनीषा स्वर्णकार ने रेत कला को बड़ी स्क्रीन के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों के शौर्य, संघर्ष और बलिदान से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। इस मौके पर एसडीएम सुरेश कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को वीर साहिबजादों के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। जीवन में सच्चाई का साथ देते हुए बुराई के आगे नहीं झुकना चाहिए।

स्प्री व एमनेस्टी योजना से मिलेंगे हितलाभ : सुनील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सेमिनार में कर्मचारियों का जानकारी देते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

श्रम और रोजगार मंत्रालय भारत सरकार की ओर से चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता) को लागू करने के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं औद्योगिक मंडल, नियोक्ताओं और कर्मचारियों को अवगत कराने के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। कर्मचारी राज्य बीमा निगम यानि ईएसआईसी के निदेशक सुनील यादव ने शनिवार को बावल में स्थित निजी कंपनी में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि श्रम संहिताओं के लागू होने की ऐतिहासिक घोषणा के साथ ही देश के श्रमबल के लिए बेहतर वेतन, सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के एक नए युग की शुरूआत हो गई है। सुनील यादव ने बताया कि मुख्य नियोक्ता अनुबंध कामगारों को स्वास्थ्य लाभ और सामाजिक सुरक्षा लाभ देगा, और उन्हें सालाना मुफ्त स्वास्थ्य जांच सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्प्री योजना 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। इसके अंतर्गत वे सभी उद्योग और कर्मचारी, जो अब तक ईएसआईसी से नहीं जुड़े हैं, बिना पुराने बकाया की मांग का सामना किए पंजीकरण करा सकेंगे। नए पंजीकृत कर्मचारियों को भी उनकी पंजीकरण की तिथि से ही ईएसआई लाभ मिलने लगेंगे।

ये रहे मौजूद

उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम से उप निदेशक सचिन सिंह के अतिरिक्त सामाजिक सुरक्षा अधिकारी मनोज सचदेवा, जयप्रकाश यादव तथा सीमा कपूर उपस्थित थे।

एमनेस्टी योजना से सुलझेंगे विवाद

निदेशक ने बताया कि निगम ने सर्व-क्षमा योजना 2025 को भी मंजूरी दी है। यह योजना एकमुश्त विवाद समाधान योजना है, जो अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहेगी। इसमें कवरेज से जुड़े नुकसान, ब्याज और अन्य विवादों का निपटारा किया जाएगा। योजना का उद्देश्य मुकदमों की संख्या कम करना और नियोक्ताओं को राहत देते हुए ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत अनुपालन को और अधिक मजबूत करना है। सेमिनार में आरसीसीआई के अध्यक्ष दीपक यादव, आरसीसीआई से कार्यकारी सदस्य रीना भट्ट, मुंजाल ऑटो प्राइवेट लिमिटेड से एचआर प्रमुख सतीश आदि शामिल हुए।

नंबरदार एसोसिएशन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बाल भवन में नंबरदार एसोसिएशन की बैठक प्रधान उदयराज राव नंबरदार मीरपुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उन्होंने 21 दिसंबर को रेवाड़ी में होने वाले नंबरदारो के राज्यस्तरीय सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को लेकर पुरे हरियाणा के नंबरदारों में भारी उत्साह है। जिला संयोजक सतीश नंबरदार औलांत ने कहा कि नम्बरदार सरकार की सबसे छोटी इकाई है। प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में मंच से कोई भी वक्ता सरकार विरोधी बयान बाजी नहीं करे और न ही किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी करें। नम्बरदार पद एक गरिमापूर्ण है, इसकी गरिमा हर हाल में बरकरार रहनी चाहिए।

नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में महिला खिलाड़ियों ने जीते मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। चैंपियनशिप में पदक लेते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली में करणी सिंह शूटिंग रेंज पर 11 दिसंबर से प्रारंभ हुई 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में रेवाड़ी जिले की चहक यादव व सुषमा यादव ने हरियाणा की ओर से खेलते हुए रजत व स्वर्ण पदक हासिल किया है। दोनों ही खिलाड़ी शहर के सेक्टर-4 स्थित राव शूंटिंग स्पोर्ट्स अकेडमी पर कोच रमन राव के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही हैं। रमन राव ने बताया की सुषमा यादव ने 10 मीटर एयर पिस्टल सीनियर वूमेन वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक जीता, वही 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ वर्ग में हरियाणा की टीम में खेलते हुए चहक यादव ने रजत पदक हासिल किया। उन्होंने बताया की अकादमी की 16 महिला खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में चयनित हुई थी और सभी खिलाड़ियों ने नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप को क्वालीफाई किया। अकादमी की 13 वर्षीय खिलाड़ी सिध्या सिंह ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 600 में से 570 का स्कोर लगाया तथा सब यूथ महिला वर्ग में सातवां स्थान हासिल किया। पहले भी दो खिलाड़ी एशिया व वर्ल्ड कप में पदक ला चुके हैं तथा 17 खिलाड़ी नेशनल लेवल तक पदक ला चुके हैं। आठ खिलाड़ी खेलकोटे से आर्मी व पुलिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

श्रीश्याम बहादुर सेवा मंडल का कैंप आज, दो हजार से अधिक लोगों ने करवाया रजिस्ट्रेशन

रेवाड़ी। शनिवार को कैंप के लिए रजिस्ट्रेशन करते मंडल के सदस्य।

रेवाड़ी। श्री श्याम बहादुर सेवा मंडल की ओर से 21 दिसंबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पुरानी अनाजमंडी स्थित तकिया सराय में विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को कैंप के लिए दो हजार से अधिक लोगों के रजिस्ट्रेशन किए गए। श्रीश्याम बहादुर सेवा मंडल का यह 19वां कैप है। कैंप में आखों की जांच के साथ जरूरतमंदों की आंखों का ऑपरेशन भी कराया जाता है तथा 500 से ज्यादा लोगों को निःशुल्क चश्मे भी प्रदान किए जाते हैं। मंडल की ओर से अब तक लगाए गए शिविरों में 30 हजार से अधिक मरीजों की जांच कराकर 6 हजार से अधिक लोगों की आंखों का ऑपरेशन कराया जा चुका है। मंडल की ओर से अभी तक 9 हजार से अधिक को नजर के चश्मे वितरित किए जा चुके हैं। मंडल के प्रधान इंद्रजीत खंडेलवाल, महासचिव अनिल मित्तल व उप प्रधान हेमंत अग्रवाल ने बताया कि कैंप की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। कैंप के लिए दो हजार से अधिक लोगों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

कार्यशाला | बाल विवाह समाज की एक गंभीर बुराई, बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास को करती है प्रभावित

नशा, समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक : सीजेएम वर्मा

पैनल एडवोकेट, मेडिएटर तथा पैरा लीगल वालंटियर के लिए एक दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए अधिवक्ता व वॉलेंटियर्स। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अमित वर्मा ने शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में पैनल एडवोकेट, मेडिएटर तथा पैरा लीगल वालंटियर के लिए एक दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं तथा बच्चों और किशोर के संरक्षण से जुड़े कानून, बाल विवाह की रोकथाम तथा नशा मुक्ति के बारे में जानकारी देना था। इस मौके पर कानूनी सहायता अधिवक्ता हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि बाल विवाह समाज की एक गंभीर बुराई है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को प्रभावित करती है।

नशे के दुष्प्रभाव के प्रति किया जा रहा जागरूक

इस योजना के माध्यम से बाल विवाह की पहचान, रोकथाम, पीड़ित बच्चों को संरक्षण तथा कानूनी सहायता और पुनर्वास की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि आम नागरिक बाल विवाह की सूचना संबंधित अधिकारियों को भेजकर इस सामाजिक बुराई को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कानूनी सहायता अधिवक्ता यशपाल शर्मा ने बाल विवाह उन्मूलन के लिए अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वालंटियर को शपथ भी दिलाई। सीजेएम अमित वर्मा ने नशा मुक्ति योजना के अंतर्गत नालसा की ड्रग अवेयरनेस एंड वेलफेयर नेविगेशन योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा, समाज, परिवार और युवाओं के भविष्य के लिए घातक है, इस योजना के तहत नशे से पीड़ति व्यक्तियों को कानूनी सहायता परामर्श एवं पुनर्वास केंद्र से जोड़ने तथा समाज में व्याप्त नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय की ओर से आमजन के लिए चलाए गए टोल फ्री नंबर 15100 एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01274-220 062 पर आमजन किसी भी प्रकार के कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

'चार साहबजादों का बलिदान-नमन कर रहा हिन्दुस्तान' कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से दशमेश पिता गुरू गोविंद सिंह जी के चार साहबजादों की शहादत को समर्पित कार्यक्रम चार साहबजादों का बलिदान-नमन कर रहा हिंदुस्तान का आयोजन 21 दिसंबर को पंजाबी धर्मशाला में किया जाएगा। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि आशियाना वृद्धाश्रम के प्रधान दिनेश राजपाल कार्यक्रम में मुख्यातिथि व चिकित्सक डा. आत्मप्रकाश यादव विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से सरदार प्रीतपाल सिंह विग प्रधान गुरूद्वारा गुरूनानक सिंह सभा बारा हजारी, सरदार बलबीर सिंह मल्होत्रा प्रधान पंजाबी मार्केट काम्पलेक्स ट्रेडर्स एसोसिएशन व सरदार कश्मीर सिंह संयोजक गुरू तेग बहादुर शहीदी जत्था का अभिनंदन करने के साथ उल्लेखनीय सेवा करने वाले साथियों को सम्मानित किया जाएगा।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशू के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

{ कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा }

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड ड्राइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गोशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था।

कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

{ अमेजिंग / शिखर चंद जैन }

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

{ कविता / हेमधर शर्मा }

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

{ लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले }

उपेक्षा के आंसू

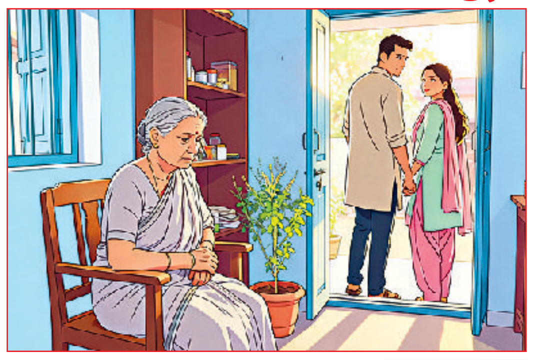

एआई इमेज

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

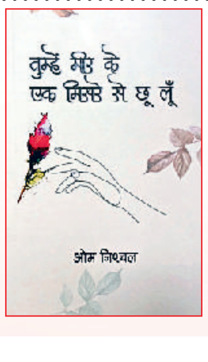

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तक: तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकार: ओम निश्चल, मूल्य: 300 रुपए, प्रकाशक: हिंदी अकादमी, दिल्ली

अवसर जब क्रिसमस का हो तो केक का जिक्र होता ही है। घर-घर में इसे बनाया और फ्रेंड्स-रिलेटिव्स के संग एंज्वॉय भी किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केक बनाने की शुरुआत कब हुई? इसका आकार, स्वाद कैसे बदला? जानिए, केक से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

टेस्टी केक से जुड़ी अनूठी-रोचक बातें

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चे ही नहीं, बड़ी उम्र के भी अधिकांश लोगों को केक खाना पसंद होता है। किसी का बर्थडे हो या मैरिज एनिवर्सरी या कोई और सेलिब्रेशन, खुशी और जश्न के खास मौकों पर केक कट कर खिलाने का चलन है। केक खाने में जितने यमी होते हैं, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसा था शुरुआती केक: शुरुआती दौर में बनने वाले केक आज की तरह सॉफ्ट, डिजाइनर और अट्रैक्टिव नहीं होते थे। ये अनाज के बने हुए सघन और चपटे (डेंस और फ्लैट) होते थे। इन्हें पीसे हुए अनाजों में खमीर (यीस्ट) उठाकर बनाया जाता था। फिर इन्हें सुखाकर जमाया जाता था। आज हम जिस तरह के केक का आनंद लेते हैं, उनसे मिलते-जुलते केक 18वीं-19वीं शताब्दी में बनने शुरू हुए।

ऐसे हुई क्रिसमस केक की शुरुआत: रोम में शुरुआती दौर में क्रिसमस के अवसर पर मीठी रोटियां बनाई जाती थीं। मध्यकाल तक आते-आते इन मीठी रोटियों का स्थान प्लम-पॉरिज (आलू बुखारा, ओट्स, फ्रूट्स, ड्राय फ्रूट्स आदि मिलाकर बनाया गया दलिया) ने ले लिया। 16वीं सदी तक आटे, अंडे,

मक्खन से प्लम केक बनने शुरू हो गए। इसे 'ट्वेल्थ नाइट केक' कहा जाता था। धीरे-धीरे ये ट्वेल्थ नाइट केक, क्रिसमस के उत्सव का एक अभिन्न हिस्सा बन गए। आज क्रिसमस के अवसर पर हम जो 'फ्रूट केक' या 'आइस्ड केक' खाते हैं, वह इसी ट्वेल्थ नाइट केक का अपडेटेड वर्जन है।

केक पर सर्वाधिक कैंडल्स जलाने का रिकॉर्ड: क्या आप जानते हैं कि बर्थडे केक पर सबसे अधिक कैंडल्स जलाने का एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है? जन्मदिन के केक पर सबसे ज्यादा मोमबत्तियां जलाने का विश्व रिकॉर्ड 2016 में आश्रिता फुरमान और न्यूयॉर्क स्थित श्री चिन्मय केंद्र ने बनाया था, जब केक पर 72,585 मोमबत्तियां जलाई गई थीं। यह केक ध्यान गुरु श्री चिन्मय के 85वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बनाया गया था। श्री चिन्मय केंद्र के 100 सदस्यों ने मिलकर यह अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

बर्थडे पर केक काटने की शुरुआत: जन्मदिन के अवसर पर दुनिया के अधिकांश देशों में केक काटा जाता है, खाया-खिलाया जाता है। माना जाता है कि 16वीं-17वीं सदी में जर्मनी में पहली बार छोटे बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए केक बनाना शुरू किया गया। इस केक को 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। ये केक दिखने में आज के केक से काफी मिलते-जुलते होते थे। फिर धीरे-धीरे केक बर्थडे सेलिब्रेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया।

पॉपुलर केक फ्लेवर्स: जन्मदिन के केक की बात करें तो ज्यादातर लोगों के लिए चॉकलेट सबसे पसंदीदा फ्लेवर होता है, उसके बाद नंबर आता है वनीला फ्लेवर का। जर्मन चॉकलेट केक दुनिया के सबसे मशहूर केक्स में से एक है। इंटरेस्टिंग बात यह है कि 'जर्मन चॉकलेट केक' की उत्पत्ति जर्मनी में नहीं हुई थी। दरअसल, इसका संबंध सैमुअल जर्मन नामक एक अमेरिकी व्यक्ति से था, जिन्होंने 1852 में एक डार्क बेकिंग चॉकलेट बनाई थी। इसे 'जर्मन्स स्वीट चॉकलेट' के नाम से जाना जाता था। 1957 में इस रेसिपी का इस्तेमाल केक बनाने में किया गया और 'जर्मन्स चॉकलेट केक' शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। तब से इसे इसी नाम से जाना जाता है। *

केक से रिलेटेड कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

- दुनिया का सबसे महंगा केक 'पाइरेट्स फैंटेसी' था जिसकी कीमत लगभग 35 मिलियन डॉलर थी।

- शिकागो के पैट्रिक बर्टोलेटी 'डीप डिश' ने 2012 में छह मिनट में 72 कप केक खाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- कप केक की रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक है।
- दुनिया का सबसे ऊंचा केक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ स्कूली बच्चों के नाम है। 33 मीटर (108.27 फीट) ऊंचे इस केक को हाकासिमा-निलासरी कलिनरी स्कूल के बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर बनाया था।
- पुराने जमाने में इंग्लैंड में मान्यता थी कि तकिए के नीचे 'फ्रूट केक' रखकर सोने से सुंदर पति मिलता है। इसे 'ड्रीमिंग केक' भी कहा जाता था।

पहला मैरिज फंक्शन केक

आजकल शादियों में भी केक काटने का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह परंपरा कब से शुरू हुई, यह तो पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, मगर पहले विवाह केक का उल्लेख 1858 में मिलता है। यह ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की सबसे बड़ी बेटी (उसका नाम भी विक्टोरिया था) के मैरिज फंक्शन के लिए बनाया गया था। प्रिंसेस विक्टोरिया का विवाह केक तीन गज चौड़ा और 300 पाउंड वजन का था, लेकिन वह सिर्फ एक मंजिला था। उनकी शादी के केक पर सफेद आइसिंग का पहली बार इस्तेमाल किया गया था। तभी से इस तरह की आइसिंग को 'रॉयल आइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

हम जो चाहते हैं, हमेशा वैसा ही हो, यह हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन खुश रहना हमारे हाथ में है। कुछ छोटी-छोटी बातों और आदतों को अगर हम अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो यकीन मानिए, हम हमेशा खुश रह सकते हैं। ऐसी ही कुछ काम की बातों के बारे में जानिए।

अपना लें ये आदतें हमेशा रहेंगे खुश

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

किसी ने कितनी सही बात कही है, 'अपने दुःखों को भगाने का एक ही रास्ता है, खुश रहना।' सब खुश रहना चाहते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि खुशियों को अपने दामन में समेट कर कैसे रखा जाए? डॉ. ए. शिंडलर के अनुसार, 'दुःख ही सभी मनोदैहिक रोगों का एकमात्र कारण है और खुशी ही एकमात्र उपचार है।' डिजीज शब्द का अर्थ ही दुःख की अवस्था है। डिज-ईज यानी आराम से न रहना। दरअसल, खुशी एक मानसिक स्थिति है, जो काफी हद तक हमारी आदतो पर निर्भर करती है।

क्या है हैप्पी-ओलॉजी: विशेषज्ञों का मानना है कि खुशी हासिल करने का एक वैज्ञानिक नजरिया भी होता है और हर कोई अपने दैनिक जीवन में खुश होने के लिए छोटे-छोटे कारण ढूंढ़ सकता है। इसे ही 'हैप्पी-ओलॉजी' कहते हैं। इसके मुताबिक किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से खुश या संतुष्ट होना आपके ऊपर निर्भर करता है। आप चाहें तो किसी बात से चिढ़कर गुस्सा या उदास हो सकते हैं और आप चाहें तो इन नकारात्मक भावनाओं से ऊपर उठकर खुद को खुश रख सकते हैं, यानी खुश रहना हमारे हाथ में है। सुविख्यात लेखक एवं विद्वान डेल कार्नेगी ने भी कहा है, 'प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह हमारे मानसिक दृष्टिकोण से संचालित होती है।' विलियम जेम्स ने कहा है, 'हम इसलिए नहीं हंसते कि हम खुश हैं, बल्कि हम इसलिए खुश हैं कि हम हंसते हैं।'

खोज लीजिए अपना हैप्पियोलॉजिस्ट: व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, आप खुद अपना हैप्पियोलॉजिस्ट खोज सकते हैं। अपने इर्द-गिर्द एक ऐसे इंसान को ढूंढ़ निकालें, जो आपके हिसाब से सदा खुश रहता है और उसे अपना आदर्श यानी हैप्पियोलॉजिस्ट बना लें। आप देखेंगे कि ये लोग जरा-जरा सी बातों में ही बच्चों की तरह खुश हो जाते हैं और खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। ये खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है। कोई चाहे तो 10 रुपए की ऑरेंज आइसक्रीम खाकर खुश और संतुष्ट हो सकता है, वहीं आदतन दुःखी रहने वाला इंसान 100-150 की ब्रांडेड आइसक्रीम खाकर भी दुःखी ही नजर आएगा और उसके स्वाद में कोई न कोई नुक्स ढूंढ़ निकालेगा।

छोटी-छोटी चीजों में खोज लें खुशी: वैज्ञानिकों ने अपनी स्टडीज में पाया है कि खुश होने के लिए आप बड़ी चीजों का इंतजार न करें, छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ें। मिरियम लीगलर ने अपनी पुस्तक 'फाइंडिंग योर इनर हैप्पियोलॉजी' में लिखा है, 'हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत-सी सामान्य चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम खुशी महसूस कर सकते हैं। बस इन चीजों के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए।'

ठान लें कि खुश रहना है: वाल्टेयर ने कहा है, 'मैंने खुश रहना चुना, क्योंकि यह मेरे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।' इस संबंध में अब्राहम लिंकन की बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था, 'अधिकांश लोग लगभग उतने ही खुश होते हैं, जितना खुश रहने का वे मन बनाते हैं।'

हैप्पियोलॉजिस्ट सुजाना हैलोनेस किसी समय एक दुःखी और निराश इंसान थीं। उन्हें अपनी जिंदगी और जॉब से बेशुमार शिकायतें थी। एक दिन अचानक उन्होंने खुद को बदल डाला। अब वे हैप्पीनेस के प्रोजेक्ट पर काम करती हैं और बेहद खुश रहती हैं।

खुशी से मिलेगी सफलता: सुजाना हैलोनेस अपनी वेबसाइट पर लिखती हैं, 'मैंने सीख लिया कि सफलता से खुशी नहीं मिलती बल्कि खुशी से सफलता मिलती है।' खुश रहने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही हमारी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है। लोगों के साथ रिश्ते भी इंप्रूव होते हैं। जाहिर है, खुशी सफलता का माध्यम बन जाती है। सुजाना कहती हैं, 'खुशी एक अभ्यास है, मंजिल नहीं।'

मुस्कुराइए-हंसिए हर रोज: ब्रिटेन के हिप्नोटिस्ट और व्यवहार विज्ञानी पॉल मैकेना ने अपनी किताब 'आइ कैन मेक यू हैप्पी' में लिखा है कि रोज 20 बार हंसें और 20 बार मुस्कुराएं। भले ही आपको ऐसा जबरन करना पड़े। मुस्कुराने और हंसने से आपके शरीर में सेरोटोनिन रिलीज होता है, जो एक फील गुड हॉर्मोन है। कुछ दिनों बाद आप खुश रहने के अभ्यस्त हो जाएंगे। *

जानकारी / अलका 'सोनी'

इसलिए कहते हैं मैरी क्रिसमस!

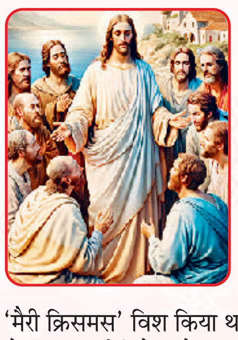

क्रिसमस का त्योहार लगभग पूरी दुनिया में मनाया जाता है। सभी देश अपने-अपने तरीके से इसे मनाते हैं। इसे मनाने का तरीका चाहे जो भी हो, एक बात जो हर जगह कॉमन होती है वह है क्रिसमस की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देते हुए 'मैरी क्रिसमस' बोलना। अन्य मौकों पर, चाहे वो न्यू ईयर हो या फिर होली, दीवाली जैसे त्योहार। लोग एक-दूसरे को 'हैप्पी' बोलकर शुभकामनाएं देते हैं, जैसे- 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हैप्पी दिवाली' आदि। लेकिन क्रिसमस के लिए बोलते हैं- मैरी क्रिसमस।

कैसे हुई 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत: क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत को लेकर कई संदर्भ मिलते हैं। सन 1534 में लंदन के बिशप जॉन फिशर ने क्रिसमस के मौके पर हेनरी अष्टम के प्रमुख मंत्री थॉमस क्रोमवेल को पत्र लिखकर 'मैरी क्रिसमस' विश किया था। इसके अलावा मैरी क्रिसमस बोलने का उल्लेख 1843 में लिखे गए चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ए क्रिसमस कैरोल' में भी किया गया है।

मदर मैरी के सम्मान में: ईसा मसीह की मां 'मरियम' ईसाई धर्म में बहुत सम्मानित मानी जाती हैं। उन्हें सभी ईसाइयों की माता और मानव जाति में सर्वोच्च इंसान माना जाता है। मरियम को 'मैरी' नाम से भी जाना जाता है। इसलिए एक मान्यता यह भी है कि मदर मैरी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 'हैप्पी क्रिसमस' के स्थान पर 'मैरी क्रिसमस' बोलकर क्रिसमस विश किया जाता है।

मतलब है समान: 'मैरी' शब्द का अर्थ हर्षित, आनंदित या उल्लासपूर्ण होता है। यह शब्द अकसर उत्सव और खुशी के अवसरों के साथ जुड़ा होता है। 'हैप्पी' का अर्थ होता है 'खुश' या 'संतुष्ट'। कुछ भाषाविदों का मानना है कि 'हैप्पी' व्यक्तिगत खुशी पर जोर देता है, जबकि 'मैरी' सामूहिक और सांस्कृतिक उत्सव की खुशियों को व्यक्त करता है। क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी' शब्द इसलिए उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह उत्सव और उल्लास के सामूहिक अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से प्रकट करता है। बहरहाल, मैरी या हैप्पी दोनों ही शब्दों का प्रयोग खुशी जाहिर करने के लिए ही किया जाता है। इसलिए आप इनमें से कुछ भी बोलकर विश कर सकते हैं। *

भारत में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक गणित के प्रकांड ज्ञानी हुए हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के अवसर पर हम आपको कुछ महान भारतीय गणितज्ञों के बारे में बता रहे हैं।

गणित को समृद्ध करने वाले भारत के महान गणितज्ञ

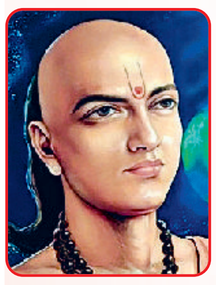
आर्यभट्ट

श्रीनिवास रामानुजन

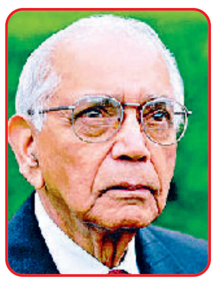
सी. आर. राव

विभूतियां / नेहा जैन

यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है कि भारत के विद्वानों ने दुनिया को गणित के महत्वपूर्ण, मूलभूत सिद्धांतों और नियमों की जानकारी दी। 400 ई. से 1500 ई. के बीच के काल को भारतीय गणित का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस काल में भारतीय गणितज्ञों ने कई नए गणितीय सिद्धांत दिए। भारतीय गणितज्ञों को कालखंड के हिसाब से मुख्यतया दो भागों में बांटा जा सकता है-पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञ और आधुनिक भारत के गणितज्ञ। पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञों में शामिल कुछ प्रमुख हस्तियां हैं-

आर्यभट्ट (476-550 ईस्वी): इन्हें भारतीय गणित का पिता माना जाता है। आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ 'आर्यभटीय' के माध्यम से गणितीय सोच में क्रांति ला दी। उन्होंने ही स्थानीय मान प्रणाली, शून्य की अवधारणा और त्रिकोणमितीय कार्यों के प्रारंभिक रूपों को प्रस्तुत किया। आर्यभट्ट ने ही 'पाई' के मूल्य की सटीक गणना की, बीजीय समीकरणों के समाधान प्रस्तावित किए और पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने की व्याख्या की। यह अवधारणा अपने समय से बहुत आगे थी।

ब्रह्मगुप्त (598-668 ईस्वी): शून्य को एक संख्या के रूप में मानने और उसके लिए नियम स्थापित करने वाले ब्रह्मगुप्त पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा, उन्हें द्विघात समीकरण का पहला स्पष्ट विवरण देने और गुरुत्वाकर्षण को एक आकर्षक बल के रूप में वर्णित करने के लिए जाना जाता है। 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' और 'खंडखाद्यक' उनकी दो सबसे प्रसिद्ध कृतियां हैं।

भास्कर प्रथम (600-680 ईस्वी): इन्होंने संख्याओं को लिखने के लिए हिंदू और अरबी दशमलव पद्धति का प्रयोग सबसे पहले किया था। 'आर्यभटीय' पर उनका विश्लेषणात्मक कार्य, 'आर्यभटीय भाष्य', खगोल विज्ञान और गणित पर सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रंथ माना जाता है। उन्हें स्थानीय मान के अनुसार संख्याओं के निरूपण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

भास्कर द्वितीय (1114-1185 ईस्वी): इन्होंने नक्षत्र वर्ष की लंबाई और चंद्रमा के समीकरण जैसी कई खगोलीय राशियों को परिभाषित किया था। अवकल कलन (डिफरेंशियल कैलकुलस) के सिद्धांतों की खोज, दशमलव प्रणाली का व्यवस्थित उपयोग भी इनकी देन है। इन्होंने ज्यामिति और बीजगणित से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों- 'लीलावती' और 'बीजगणिताध्याय' की रचना की।

संगमग्राम के माधव (1340-1425 ईस्वी): यूरोपीय 'कैलकुलस' से सदियों पहले इन्होंने त्रिकोणमितीय श्रृंखला विस्तार और घात श्रृंखला की खोज की और सूर्यकेंद्रित मॉडल (हीलियोसेंट्रिक मॉडल) जैसे महत्वपूर्ण ग्रहों की गति के मॉडल विकसित किए, जिससे खगोलीय गणनाओं में क्रांति आ गई। इस प्रतिभाशाली गणितज्ञ को साइन और कोसाइन जैसे त्रिकोणमितीय फलनों के लिए अनंत श्रेणी विस्तारों में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

आधुनिक भारत के प्रमुख गणितज्ञों में शामिल हैं-

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920): रामानुजन की स्मृति में ही गणित दिवस मनाया जाता है। इन्होंने संख्या सिद्धांत, गणितीय विश्लेषण आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया। विभाजन फलन, सतत भिन्न और अनंत श्रेणी जैसे क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट खोजों ने 20वीं सदी में गणित के विकास को बहुत प्रभावित किया। उन्हें अपने समय में आधुनिक विश्व का सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ माना जाता था।

शकुंतला देवी

पी.सी. महालनोबिस (1893-1972 ईस्वी): महालनोबिस दूरी और फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण इनके कुछ प्रमुख योगदान हैं।

सी. आर. राव (1920-2023): भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी और चिकित्सा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शकुंतला देवी (1929-2013): शकुंतला देवी को मानव-कंप्यूटर के नाम से जाना जाता था। वे कैलकुलेटर की सहायता के बिना अपनी त्वरित मानसिक गणनाओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। त्वरित मानसिक गणना के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है। *

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

कई हिंदी फिल्मों में क्रिश्चियन परिवेश, पात्रों और गीतों को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया जाता रहा है। कुछ फिल्में क्रिसमस सेलिब्रेशन से भी जुड़ी रही हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में क्रिश्चियन कैरेक्टर्स क्रिसमस सेलिब्रेशन

क्रिसमस, ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है, जो भारत सहित विश्व भर में 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। बीते दौर से लेकर हाल के वर्षों तक हिंदी में ऐसी कई सारी फिल्में बनती रही हैं, जिनमें क्रिसमस सेलिब्रेशन का जिक्र आया, उससे जुड़े गीत फिल्माए गए, मुख्य पात्र या फिर पूरी कहानी ईसाई समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कई फिल्मों में तो ऐसे ईसाई पात्र दिखाए गए जो सिनेप्रेमियों के जेहन में आज भी दर्ज हैं।

ईसाई पात्र-परिवेश की कहानी: शोमैन राज कपूर ने ईसाई लड़की 'बॉबी' की कहानी पर फिल्म बनाई, जो हिट रही। 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' में डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। हिंदू लड़के और क्रिश्चियन लड़की की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। आगे चलकर, साल 1985 में इन्हीं डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर को लेकर रमेश सिप्पी ने फिल्म 'सागर' बनाई। यह डिंपल कपाड़िया की कम-बैक फिल्म थी, जिसमें उन्होंने एक क्रिश्चियन लड़की मोना डी सिल्वा की भूमिका अदा की थी।

साल 1975 में आई फिल्म 'जूली' में एक्ट्रेस लक्ष्मी ने क्रिश्चयन लड़की जूली का लीड रोल प्ले किया था। साथ ही फिल्म के अन्य प्रमुख पात्र भी ईसाई धर्म से संबंध रखने वाले ही थे। इसी नाम से साल 2004 में एक बोल्ड फिल्म बनाई गई, जिसमें नेहा धूपिया ने गोवा में रहने वाली लड़की 'जूली' का रोल किया था। संजीव कुमार की फिल्म 'देवता' (1978) और 'चेहरे पे चेहरा' (1981) की कहानी ईसाई समाज और ईसाई पात्रों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

नाना पाटेकर, मनीषा कोईराला और सलमान खान की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' (1996) भी एक क्रिश्चियन परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई प्रेम कहानी है। इसके अलावा शबाना आजमी, मार्क रॉबिंसन, इरफान खान अभिनीत 'बड़ा दिन' (1998), और 'मैरी क्रिसमस' (2024) फिल्मों का नाम क्रिसमस फेस्टिवल पर रखा गया है। इन फिल्मों में इस धर्म-संस्कृति से जुड़े रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि को भी बखूबी दर्शाया गया है।

यादगार पादरी के किरदार: ईसाई धर्मगुरु यानी पादरी को विशेष आदर, मान-सम्मान दिया जाता है। कई हिंदी फिल्मों में पादरी का कैरेक्टर निभाने वाले आर्टिस्ट्स को खूब सराहना मिली। 'दोस्त' (अभि भट्टाचार्य), 'अमर अकबर एंथोनी' (नाजिर हुसैन), 'तहलका' (जीतेंद्र), 'हत्या' (सत्येन कप्पू), 'खोज' (डैनी), 'देवता' (श्रीराम लागू) आदि कई फिल्में बनी हैं, जिनमें पादरियों के महत्वपूर्ण और यादगार रोल रहे।

कुछ पॉपुलर क्रिश्चियन कैरेक्टर: कई ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें ईसाई कैरेक्टर या सहायक पात्र लोगों को खूब पसंद आए। 'अनाड़ी' में ललिता पवार का अपनी फिल्मी इमेज के विपरीत सहृदय ईसाई महिला मिसेज एल डीसा का अविस्मरणीय रोल था। ऐसे ही फिल्म 'गैंबलर' में जाहिरा, 'मेरा नाम जोकर' में सिमी ग्रेवाल, 'वो मैं नहीं' में आशा सचदेव, 'मजबूर' में प्राण, 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' में नसीरुद्दीन शाह, 'जाने भी दो यारों' में सतीश शाह और 'अमर अकबर एंथोनी' में अमिताभ बच्चन द्वारा निभाया गया एंथोनी का कैरेक्टर लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

गोवा में फिल्माई गई फिल्में: जब भी भारत में ईसाई परिवेश की बात होती है, गोवा का नाम सबसे पहले याद आता है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनीं, जिनकी अधिकतर शूटिंग गोवा में हुई। 'जोहर महमूद इन गोवा' (1965) में आई एस. जोहर और महमूद मुख्य भूमिका में थे। अमिताभ बच्चन की 'सात हिंदुस्तानी' (1969) और 'पुकार' (1983) इन तीनों फिल्मों की कहानी गोवा मुक्ति संग्राम पर आधारित थी। शाहरुख खान, सुचित्रा कृष्णमूर्ती अभिनीत 'कभी हां कभी ना' (1994) और शाहरुख खान, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोश' (2000) के मुख्य पात्र ईसाई ही थे। दोनों फिल्में गोवा में शूट की गईं। ऐसे ही दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' (2014) गोवा में शूट हुई थी। इस फिल्म के सभी मुख्य पात्र ईसाई हैं। 'गो-गोवा-गॉन' (2013) गोवा में शूट की गई अलग टाइप की कॉमेडी, थ्रिलर है, जिसमें सैफ अली खान, कुणाल खेमू, पूजा गुप्ता आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के मुख्य पात्र भी क्रिश्चियन ही हैं। गोवा में शूट की गई अधिकतर फिल्मों में वहां के चर्च, बीच, ईसाई समुदाय के लोगों की जीवनशैली और संस्कृति को खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है। *

'अमर अकबर एंथोनी' में एंथोनी गोंसाल्वेस के रोल में अमिताभ

कई गीत भी हुए पॉपुलर

बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई गाने भी बने हैं, जो पूरी तरह क्रिसमस से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पॉपुलर भी हुए हैं। 'बचपन' फिल्म का गीत 'मदर मैरी, मां हम तेरे दुलारे हैं' प्रेयर है। 'शानदार' में संजीव कुमार सांता क्लॉज की वेशभूषा में गाते हैं, 'आता है, आता है, सांता क्लॉज आता है', 'जख्मी' में 'जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे।' कई गीत ऐसे भी रचे हैं, जिनको सुनते ही समझ आ जाता है कि ये गीत या इसके पात्र ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं। फिल्म 'जमीर' में शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत 'बड़े दिनों में खुशी का दिन आया...'। 'जूली' में प्रीती सागर की आवाज में अंग्रेजी गाना है, 'माइ हार्ट इज बीटिंग', 'जीते हैं शान से' में 'जूली-जूली जॉनी का दिल तुम पर आया जूली।' गाने में मिथुन चक्रवर्ती अपना प्रेम प्रकट करते हैं। 'सागर' में 'ओ मारिया, ओ मारिया' गाने में कमल हासन, डिंपल कपाड़िया की मस्ती देखने लायक है। 'देवता' का हटकर लिखा गाना है, 'चल बैठें चर्च के पीछे'। ये सभी गाने आज भी लोकप्रिय हैं।